Reg.: JHBIL/25/A0691

College Era

Vol. 03 • August 2025

Back to the books again

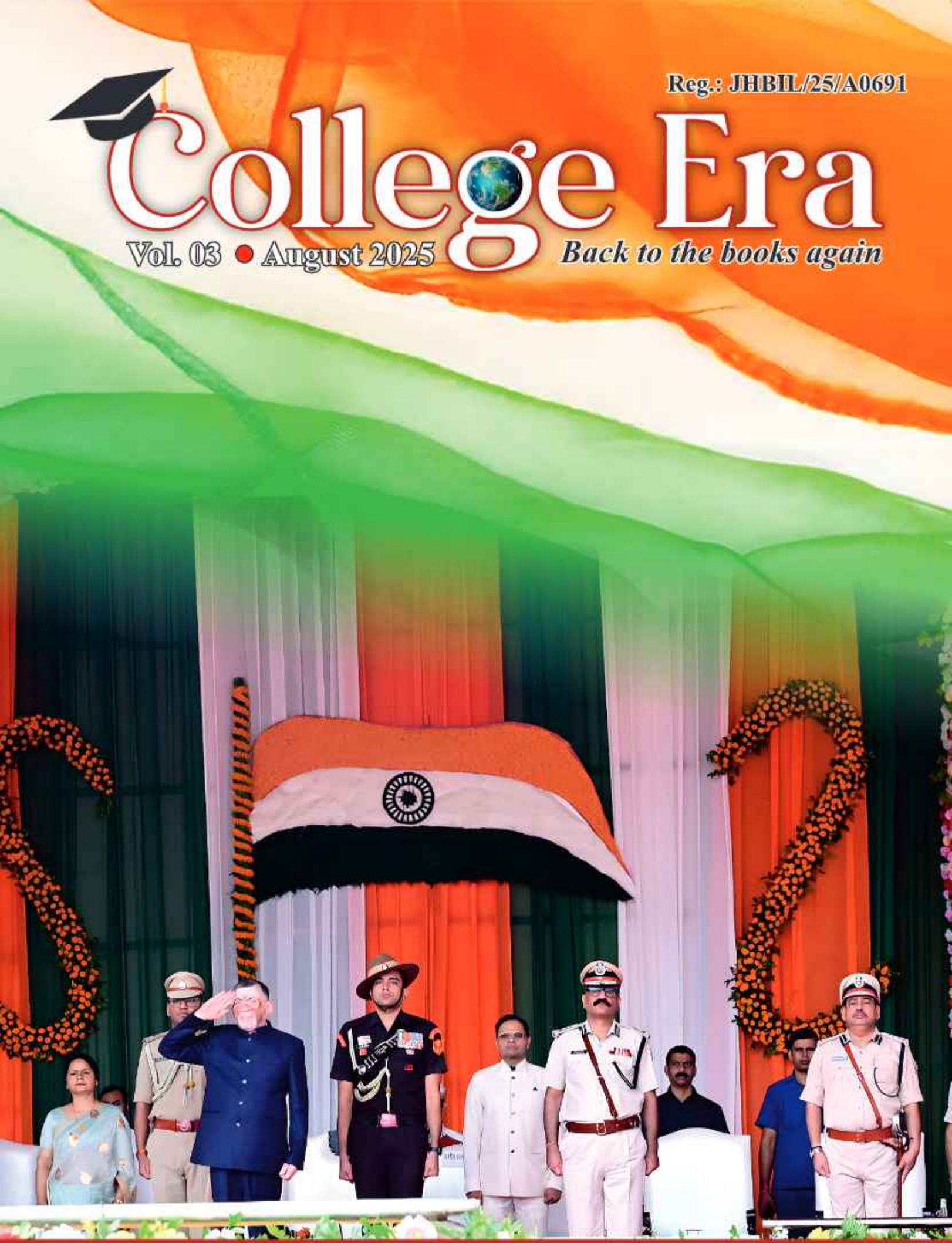

A book is a dream you hold in your hand

CAMBRIDGE INSTITUTE OF TEACHERS EDUCATION

Angara, Ranchi – 835103, Jharkhand (Run & Managed by Kamla Nehru Vidya Mandir)

Recognised by: ERC-NCTE and Affiliated to Ranchi University Ranchi & JAC

Courses - B.Ed. (2 Years)/ D.El.Ed. (2 Years)

FACILITIES

- Science Lab 1 & 2
- Psychology Lab
- Art & Craft Room
- ICT Lab
- Staff Room
- Administrative Office
- Curriculum Lab
- Music Room
- Health & Physical Education
- Sports Room
- Boys Common Room
- Girls Common Room
- Multipurpose Hall
- Multipurpose Room
- Seminar Room
- Smart Class Rooms
- Parking
- Garden
- Reception
- Playground
- Library & Reading Room

Vill - Baheya, PO- Angara, Distt.- Ranchi, Pin- 835103 (Jharkhand)

Contact for Admission Enquiry

9431680313, 9431707488, 9431581023

Vill - Baheya, PO- Angara, Distt.- Ranchi, Pin- 835103 (Jharkhand)

Reg.: JHBIL/25/A0691
College Era
Vol. 02 • July 2025
Back to the books again

Chief Editor Choice

एक नई सोच एक नई दिशा

प्रिय पाठको प्रणाम,

प्रणाम करना हम भारतीयों की पहचान है एक प्रणाम कई परिणाम बदल देता है। प्रणाम लक्ष्य प्राप्ति की ओर पहली किस्त का काम करती है।

'कॉलेज एरा' अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए पहला कदम बढ़ा चुका है। आप सब ने कॉलेज एरा के दुसरे अंक को अपने दिल से अपनाया, उसे बहुत प्यार दिया। इस प्यार और सम्मान के लिए दिल से धन्यवाद देता हूं, हमारे तरफ से पूरा प्रयास होगा कि **'कॉलेज एरा'** आपकी इच्छा और अपेक्षा की कसौटी पर खड़े उतरे। जिन्होंने हमें आगे और बेहतर करने की प्रेरणा दी, आप उनमें से एक हैं। हमारा प्रत्येक पाठक हमारे लिए खास है।

इस अंक के प्रमुख रंग इस प्रकार से है:

1. वही जीवन की चाल को समझता है,
   जो सफर में धूल को गुलाल समझता है।
2. छात्रों की आत्महत्या सिस्टम की नाकामी,
   अब अनदेखी नहीं की जा सकती हैं।
3. सावधान लड़कियों AI आ चुका है।
4. भावपूर्ण श्रद्धांजली।
5. Efficacy and Importance of the techniques of Hatha Yoga in the Modern Therapeutic World
6. CMA Course – An Introduction.

'हमारा उद्देश्य है: शिक्षा के साथ–साथ व्यक्तित्व विकास को बढ़ावा देना, छात्रों को प्रोत्साहित करना ताकि वे खुद को पहचानें, अपने हुनर को निखारें और दुनिया में बदलाव लाएं।

आइए, **College Era** के साथ जुड़ें – क्योंकि आज के विद्यार्थी ही 'कल के नायक हैं!'

Contents

Chief Editor Choice 04
वही जीवन की चाल को समझता है,
जो सफर में धूल को गुलाल समझता है।
N.K. Murilidhar Choice 05
छात्रों की आत्महत्या सिस्टम की नाकामी,
अब अनदेखी नहीं की जा सकती हैं।
Editor's Choice 06
सावधान लड़कियों AI आ चुका है।
Message
Marwari College Ranchi 07
भावपूर्ण श्रद्धांजली। 07
YBN University, Ranchi 08
राजकीय शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, रांची 08
Brain Exercises 09-10
झलकियां 11-14
The Sports 15
Let's Go Goal 16-17
सेना में करियर 18
Genius 20
The News 20
COLLEGE Campus Interview 21
Gossner College, Ranchi
Ajay Deep Wadhwa Choice 22
CMA Course – An Introduction

Team Editorial

Editor : Dr. Shital Kumari
Patron : Mrityunjay Singh

Head Office : 2104/C2, Misir Gonda, Near Shiv Mandir, Pipra Toli, Kanke Road, Misir Gonda, Alias, Pahargonda, Ranchi, Jharkhand- 834008

Visit Office

City Office : 2nd floor Khadi Gram Udyog bhawan, Elbert Eka Chowk, Main Road Ranchi, Jharkhand- 834001
Contact : 9835163660, 8340318751
Email : collegeera13@gmail.com

₹75

वही जीवन की चाल को समझता है, जो सफर में धूल को गुलाल समझता है

झारखंड के नायक हमारे दिशोम गुरु शिबू सोरेन ने सिर्फ आदिवासियों को राह नही दिखाया है बल्कि हर उस समाज का मार्गदर्शन किया है जो किसी तरह से शोषित थे। समाज के शोषित प्रत्येक वर्ग ने उनसे कुछ ना कुछ सीखा है। उनसे हिम्मत पाया और अपनी स्थिति को बदलने के लिए संघर्ष किया है। पूर्व मुख्यमंत्री दिशोम गुरु न सिर्फ एक सामाजिक नायक थे बल्कि वह शिक्षा के क्षेत्र में भी उनकी विचारधारा काफी क्रांतिकारी थी। वे शिक्षा को समाज के कमजोर वर्ग के लिए अति आवश्यक मानते थे। उनकी शिक्षा दर्शन शिक्षा के क्षेत्र में हमारे पथ प्रर्दशन में सदैव ही प्रासंगिक रहेगा। वे शिक्षा को सभी के लिए मुफ्त और अनिवार्य करने के हिमायती थे। शिक्षा सिर्फ बच्चों के लिए ही नहीं बल्कि बड़ों के लिए भी वह आवश्यक मानते थे। उन्होंने **'चलो पढ़ो'** रात्रि पाठशाला की शुरुआत की और स्वयं वह रात्रि पाठशाला में ग्रामीणो को पढ़ाते थे। आदिवासियों का अशिक्षित होना उन्हें सदैव चुभता था। वे पाठशाला में पढ़ाने के अलावा समाज के लोगों को शराब पीने से होने वाले नुकसान से अवगत कराते हुए पूरा प्रयास करते थे कि लोग हडिया और शराब पीना छोड़ दें।

शिबू सोरेन नशाखोरी के घोर विरोधी थे। झारखंड में उच्च शिक्षा को लेकर भी मनना था कि शिक्षा सिर्फ नौकरी पाने का साधन नहीं है बल्कि शिक्षा को एक हथियार के रूप में समझा जाना चाहिए। जो अपनी संस्कृति, सामाजिक जिम्मेदारी एवं आर्थिक उत्थान के लिए ही अति आवश्यक है उनका मानना था कि शिक्षा ही आदिवासियों को एक नई दिशा प्रदान करने में सबसे बड़ा सहायक है।

यहां तक कि वह सिपाही बहाली में भी फुर्ती के आकलन प्रक्रिया को शामिल करना चाहते थे। उनके नजर में शरीर में फुर्ती होना अति आवश्यक है ना कि लंबा होना। उनकी इसी शिक्षा दर्शन के अनेक शिक्षाविद कायल रहे हैं। उनका सपना था एक ऐसे समावेशी और सुलभ शिक्षा मॉडल बनाने का जो दूर दराज के ग्रामीणों तक भी पहुंच सके वह शिक्षा को सिर्फ सैद्धांतिक ही नहीं बल्कि व्यावहारिक रूप में भी देखना चाहते थे। वे शिक्षा को रोजगार के साथ–साथ वास्तविक जीवन से भी जोड़ना चाहते थे।हम उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए झारखंड में शिक्षा के एक नए आयाम को तय करने की आशा करते है।

सर्दियों में जन्म लेता है एक नायक जो तूफानों का रुख बदल देता है।
हिम्मत शौर्य और साहस के बल पर दिशोम गुरु शिबू सोरेन बन जाता है।

छात्रों की आत्महत्या सिस्टम की नाकामी, अब अनदेखी नहीं की जा सकती हैं

एन.के. मुरलीधर

हर बार जब कोई छात्र आत्महत्या करता है, तो देश के भविष्य से एक और रेखा मिट जाती है। यह महज एक जीवन की समाप्ति नहीं होती, बल्कि यह उस व्यवस्था पर एक गहरा प्रश्नचिह्न होता है, जो उन्हें जीवन से जूझने लायक ताकत नहीं दे सकी। एक माँ की गोद सूनी हो जाती है, एक पिता की उम्मीदें टूट जाती हैं और उस समाज की परतें उघड़ जाती हैं, जो सफलता के नाम पर युवाओं को मानसिक टूटन की ओर धकेलता है। आज भारत की शिक्षा प्रणाली जिस मोड़ पर खड़ी है, वहाँ छात्र ज्ञान के नहीं, केवल अंकों और रैंकिंग के मूल्यांकन से पहचाने जाते हैं। शिक्षा अब एक प्रक्रिया नहीं, प्रतियोगिता बन चुकी है। ज्ञान का आनंद, जिज्ञासा की उड़ान और विचारशीलता का वातावरण, इन सबकी जगह ले ली है एक भीषण दबाव ने, जो हर छात्र के मन–मस्तिष्क पर बुरी तरह हावी है। उन्हें पढ़ने नहीं, दौड़ने के लिए तैयार किया जा रहा है। एक ऐसी दौड़, जिसमें हर कोई आगे निकलना चाहता है, लेकिन किसी को यह नहीं पता कि मंजिल कहाँ है। भारत में मानसिक स्वास्थ्य आज भी उपेक्षित विषय है, और छात्रों के लिए तो यह लगभग अनुपस्थित है। जब कोई किशोर यह कहता है कि वह तनाव में है, तो समाज उसे कमजोर, नाकारा या बहाना बनाने वाला मान लेता है। अक्सर माता–पिता यह सोचते हैं कि मोबाइल छीन लेना, डांट देना या सजा देना ही समाधान है। जबकि भीतर ही भीतर वह बच्चा अवसाद के गर्त में उतर रहा होता है। जब वह आत्महत्या करता है, तो तब जाकर सब चौंकते हैं, आँसू बहाते हैं, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। कोटा जैसे शहर इस समस्या की पराकाष्ठा बन चुके हैं। वहाँ हर साल लाखों छात्र जेईई, नीट जैसी परीक्षाओं की तैयारी के लिए आते हैं। इन संस्थानों में सुबह से रात तक एक सैन्य अनुशासन की तरह पढ़ाई होती है, लेकिन कोई नहीं पूछता कि उस बच्चे की नींद पूरी हुई या नहीं, उसे अपने घर की याद आ रही है या नहीं, या फिर उसका मन हर दिन क्यों बुझता जा रहा है। छात्र अपने छोटे–छोटे कमरे में चारदीवारी और कोचिंग के शेड्यूल के बीच पिसते रहते हैं और जब यह बोझ सहन से बाहर हो जाता है, तब वे सबसे डरावना रास्ता चुनते हैं आत्महत्या। यह कहना कि आत्महत्या व्यक्तिगत निर्णय होता है, समस्या की गहराई को नजरअंदाज करने जैसा है। आत्महत्या उस सामाजिक, पारिवारिक और संस्थागत तानेबाने का परिणाम होती है, जो व्यक्ति को जीने की जगह छोड़ता ही नहीं। हर आत्महत्या के पीछे हजारों अनसुनी पुकारें होती हैं, जिन पर किसी ने ध्यान नहीं दिया। हमारे समाज में सफलता का एक संकुचित पैमाना तय कर दिया गया है। डॉक्टर, इंजीनियर, आईएएस अगर आप इनमें से नहीं हैं, तो आपको समाज में सम्मान, आत्म–विश्वास और पहचान मिलना कठिन हो जाता है। बच्चे अपने भीतर की क्षमताओं, रुझानों और अभिरुचियों से कटकर, केवल उन रास्तों पर चलने को मजबूर हो जाते हैं जिन्हें समाज सही मानता है। यह मानसिक बंधन बच्चों को न केवल कुंठित करता है, बल्कि उनकी सृजनात्मकता का गला भी घोंट देता है। शिक्षा व्यवस्था की विफलता का एक बड़ा पहलू यह भी है कि वह जीवन के वास्तविक पाठ नहीं सिखाती। स्कूलों और कॉलेजों में भावनाओं को समझना, असफलताओं को अपनाना, संबंधों की अहमियत जानना या जीवन के संकटों से जूझने की ताकत देना। इनमें से कुछ भी नहीं सिखाया जाता। हम बच्चों को विज्ञान, गणित, इतिहास तो पढ़ाते हैं, लेकिन उन्हें यह नहीं सिखाते कि अगर किसी दिन जीवन असहनीय लगे, तो उससे कैसे लड़ें। हम उन्हें आत्म–संवाद करना नहीं सिखाते, न ही उन्हें यह विश्वास देते हैं कि असफलता अंत नहीं है। आज जरूरत है उस पारदर्शिता की, जहाँ छात्र बिना भय के अपने मन की बात कह सकें। लेकिन स्कूलों और कोचिंग संस्थानों में मेंटल हेल्थ काउंसलिंग या सेल्फ–केयर जैसी अवधारणाओं को या तो मजाक समझा जाता है या समय की बर्बादी। सरकारें और शिक्षा संस्थान मानसिक स्वास्थ्य को केवल एक कार्यक्रम के रूप में निभाते हैं, लेकिन इसे दैनिक जीवन का हिस्सा नहीं बनाते। जबकि असल जरूरत है ऐसे सुरक्षित मंचों की, जहाँ छात्र खुलकर बोल सकें, समझे जा सकें और जज किए बिना सुने जा सकें। माता–पिता को भी इस लड़ाई में बदलना होगा। बच्चों पर अपनी अधूरी महत्वाकांक्षाएं थोपना बंद करना होगा। यह समझना जरूरी है कि हर बच्चा अलग होता है। किसी को संगीत पसंद है, किसी को लेखन, किसी को विज्ञान में गहरी रुचि होती है तो किसी को खेलों में जीवन की ऊर्जा मिलती है। लेकिन जब हम उन्हें केवल प्रतियोगी परीक्षाओं की मशीन बना देते हैं, तो वे अपने भीतर की आग और पहचान दोनों खो देते हैं। जब बच्चा असफल होता है, तो वह केवल अंकों में नहीं हारता, वह अपने माता–पिता की नजरों में गिरने से डरता है, समाज की आलोचना से डरता है, और खुद के मूल्य को शून्य मानने लगता है। प्रशासन की ओर से भी अब केवल बयान देने का समय नहीं रहा। आज आवश्यकता है नीति–निर्माण में बदलाव की। हर स्कूल और कॉलेज में प्रशिक्षित काउंसलर अनिवार्य रूप से नियुक्त किए जाने चाहिए। छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य की नियमित जाँच होनी चाहिए। आत्महत्या जैसी घटनाओं पर गंभीरता से एक स्वतंत्र जांच हो, जो केवल कारण ही न खोजे, बल्कि संस्थागत जिम्मेदारी तय करे। कोचिंग सेंटरों पर नियंत्रण और मानक तय करने की सख्त जरूरत है। विद्यार्थियों को सप्ताह में एक दिन पूरी तरह पढ़ाई से मुक्त रखना चाहिए, जहाँ वे केवल खेलें, बातचीत करें, शांति से बैठें संवेदना की जगह बनाएँ। मीडिया की भी जिम्मेदारी बनती है कि आत्महत्या को सनसनीखेज खबर बनाने की बजाय, इसके पीछे की पीड़ा और प्रणालीगत विफलताओं को उजागर करे। आत्महत्या की खबरें अगर संवेदनशील ढंग से पेश न की जाएँ, तो वे अन्य अस्थिर मनःस्थिति वाले छात्रों के लिए प्रेरणा का कारण बन सकती हैं। कॉपीकैट सुसाइड की घटनाएं मीडिया की लापरवाही का ही परिणाम हैं। जिम्मेदार रिपोर्टिंग और जागरूकता अभियान अब अनिवार्य हैं। यह भी जरूरी है कि समाज एक ऐसा वातावरण बनाए, जहाँ असफलता को अपराध न समझा जाए। हमें छात्रों को यह बताना होगा कि असफल होना जीवन का हिस्सा है, एक प्रयोग है, एक सीखने का अवसर है। जब तक हम हर असफल छात्र को पराजित योद्धा की तरह नहीं, बल्कि एक संभावनाशील मनुष्य की तरह नहीं देखेंगे, तब तक यह सिलसिला थमता नहीं दिखेगा। छात्र आत्महत्याओं को रोकना केवल किसी एक मंत्रालय, किसी एक अध्यापक या माता–पिता की जिम्मेदारी नहीं है। यह पूरे समाज की जिम्मेदारी है। अगर हम अब भी नहीं जागे, अगर हमने अब भी अपने शिक्षा और सामाजिक ढांचे में परिवर्तन नहीं किया, तो हम एक ऐसे दौर में प्रवेश करेंगे जहाँ आत्महत्याएं केवल समाचार नहीं, सांस्कृतिक पतन का चेहरा बन जाएँगी।समाधान केवल सिस्टम में नहीं है समाधान उस नजरिए में है, जिससे हम अपने बच्चों को देखते हैं। अगर हम उन्हें प्रेम देंगे, सहानुभूति देंगे, संवाद देंगे, तो वे जीना चाहेंगे। अगर हम उन्हें केवल अपेक्षा देंगे, तुलना देंगे और डांट देंगे, तो वे हार मान जाएँगे। आज जरूरत है एक संवेदनशील राष्ट्र की, जो अपने भविष्य को केवल नंबरों और रैंक की कसौटी पर नहीं, बल्कि करुणा, समझ और संवाद की बुनियाद पर परखे। छात्र आत्महत्याएं केवल व्यक्तिगत दुख नहीं, एक सामाजिक चेतावनी हैं। आइए, इसे अनदेखा न करें। इससे पहले कि और भविष्य अंधेरे में खो जाएं, हमें रौशनी का रास्ता चुनना ही होगा।

डॉ. शीतल कुमारी

सावधान लड़कियों AI आ चुका है!

AI की चर्चा बहुत जोरों पर है वर्तमान में हर कोई जानना चाहता है उसका उपयोग करना चाहता है। लेकिन कहते हैं ना की कोई भी चीज के फायदे भी हैं और नुकसान भी तो एआई कुछ ऐसा ही इन्वेंशन है। AI की भूमिका इस बात पर निर्भर रहती की वह इसका प्रयोग किस कार्य के लिए करेंगे कुछ लोग AI की सहायता से महिलाओं के अंडरवियर स्विमिंग सूट या फिर अन्य किसी कपड़ों को हटाकर उनकी ऐसी तस्वीरें तैयार कर लेते हैं जो आपत्तिजनक होती है जिसे स्वीकार नहीं किया जा सकता। एआई की मदद से तैयार फोटो और वीडियो पूरी तरह से हर किसी को ओरिजिनल लगता है। इसे डीपफेक कहा जाता है। वैसे यह लोगों के लिए मुफ्त तो नहीं होता इसका सबसे सस्ता 100 क्रेडिट पैक की कीमत 30 अमेरिकी डॉलर होती है। AI का उपयोग करके कुछ लोगों ने एक लाख तक न्यूड तस्वीरें तैयार की इसकी खोज सबसे पहले सेंसिटिय नामक एक सुरक्षा कंपनी ने की थी इस चैनल पर ज्यादातर यूजर्स लगभग 70 प्रतिशत रुस से ही आए थे। ऐसे संकेत मिलते हैं इसके लिए जिम्मेदार एआई बॉट डीप न्यूड सॉफ्टवेयर ओपन सोर्स वर्जन पर आधारित हो सकते हैं। ई–कॉमर्स ए मॉडल पर आधारित टूल्स की मदद से किसी महिला के चेहरे को किसी अन्य महिला के शरीर से जोड़ देते हैं सैकड़ो तस्वीरों को AI मॉडल में डालकर उसे प्रशिक्षित किया जाता है जिससे वह चेहरे की बड़ी बारीकी जैसे आंख त्वचा हाव–भाव पूरी तरह मिल जाए यह प्रक्रिया कुछ घंटे से लेकर कुछ दिनों तक भी चल सकती है। इसके बाद स्कैमर्स महिला के चेहरे को किसी आपत्तिजनक वीडियो या सामग्री से जोड़ देते हैं। पहले तो ऑडियो वीडियो में हेर–फेल करने के लिए सरल ओपन सोर्स वीडियो एडिटिंग टूल्स का उपयोग होता था पर धीरे–धीरे यह भी एडवांस होता गया। अब अपराधी मशीन लर्निंग का उपयोग कर रहे हैं। AI टूल्स तस्वीर आवाज और व्यक्तिगत जानकारी चुराकर नकली प्रोफाइल बना सकते हैं। जिससे पिड़ित को कानूनी या सामाजिक मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है।

2017 में ऐसा पहला मामला सामने आया था। जिसका शिकार हॉलीवुड की हस्तियां बनी थी। उसके बाद चीन की फेमस अदाकारा यांग का वीडियो काफी वायरल हुआ था इस वीडियो में यांग के चेहरे को किसी और के शरीर से इस तरह से मैच किया गया था की असली और नकली में फर्क करना बहुत ही मुश्किल था और जब तक इसे हटाया गया तब तक 24 करोड़ से ज्यादा लोग इसे देख चुके थे। AI का खतरा सिर्फ डीपफेक और मार्फिंग तक ही सीमित नहीं है इसका इस्तेमाल डराना, शोषण करना , ब्लैकमेल करना या फिर बदला के लिए हो सकता है। यहां तक की आई से संचालित ट्रैकिंग टूल्स से महिलाओं के ऑनलाइन गतिविधियों पर भी नजर रखा जा सकता है चैट बोट्स या ऑटोमेटेड मैसेजिंग टूल्स का उपयोग कर महिलाओं को आपत्तिजनक धमकी भरे या अपमानजनक संदेश भेजने के काम या फिर उनके छवि को धूमिल करने उनके खिलाफ झूठी अफवाहें फैलाने में भी लाया जा सकता है। इस तरह के इस्तेमाल के लिए सर नकली प्रोफाइल का उपयोग किया जाता है जिन्हें एआई की मदद लेकर ही तैयार किया जाता है। AI से निपटने के लिए इसको समझाना बहुत ही जरूरी है और उससे भी ज्यादा जरूरी है कुछ सावधानियां बरतना। जिसमें सबसे पहली शर्त है की प्रोफाइल को निजी रखना है सोशल मीडिया पर अपने अकाउंट को प्राइवेट रखें अगर अकाउंट पब्लिक रखना भी चाहते हैं तो कम से कम रिजोल्यूशन वाली तस्वीरें साझा करें। जिसमें चेहरा क्लियर ना हो। हाई क्वालिटी की तस्वीरें मार्फिंग के लिए अत्यधिक उपयुक्त मानी जाती है।

2 सोशल प्लेटफॉर्म पर गोपनीयता सेटिंग्स का उपयोग ध्यान से करें

3'अनचाहे एवं अविश्वसनीय प्लेटफार्म पर अपना चेहरा अपलोड करने से बचना चाहिए। असुरक्षित असत्यापित वेबसाइट पर फोटो अपलोड करने से बचना चाहिए मुफ्त में मेक ओवर, नकली प्रतियोगिताओं जैसे ऐप्स में अपने फोटो अपलोड नहीं करनी चाहिए।

5 अपने सभी सोशल मीडिया खातों पर टू फैक्टर ऑर्थेटिकेशन श्को सक्रिय कर के रखे ताकि पासवर्ड लीक होने पर भी सुरक्षा बनी रहे।

5 असली नकली के पहचान पर खास ध्यान दें डिपफेक वीडियो में अक्सर चेहरे की हरकत अजीब होती है पलके कम झपकती है या बैकग्राउंड आसमान होता है। कई एआई डिटेक्शन मौजूद है जिसकी मदद से तस्वीरों या वीडियो के सत्याता की जांच की जा सकती है। यह सबूत के तौर पर आपके काम भी आ सकता है।

6'साइबर सेल को रिपोर्ट करें या (18 वर्ष से कम उम्र के लिए) https://takedown-ncmec-org/ यह 18 वर्ष से अधिक उम्र के लिए https:stopcii-org/ जैसे प्लेटफार्म का उपयोग किया जा सकता है।

7 छवियों के किसी भी प्रकार के गलत उपयोग होने से cyber crime-gov-in के महिला बाल संबंधी अपराध अनुमार्ग पर किया जा सकता है।

नोट इस प्रकार: फोटो पोस्ट करते समय नाम या लोगों जैसे वाटर मार्क अपने चेहरे या कपड़ों के पास लगाएं ताकि उसे हटाना मुश्किल हो। चेहरे पर हल्का फिल्टर या पारदर्शी लेयर लगे हो। जिससे आई टूल्स को चेहरा ट्रैक करने में समस्या हो। फेस प्रोटेक्टिंग एआई एप्स का इस्तेमाल करें। यह टूल्स आपकी तस्वीरों को इस तरह संशोधित करते हैं कि एआई उन्हें आसानी से स्कैन नहीं कर पाता। ऐप्स डाउनलोड करने से पहले उसके रिव्यू को अवश्य ही पढ़ ले इस प्रकार अनेक तकनीक को अपनाकर अनेक समस्याओं से बचा जा सकता है

Marwari College, Ranchi

Manoj Kumar, Principal Marwadi College, Ranchi - "Kudos to the team of School Era Magazine for launching College Era! This new initiative will undoubtedly provide college students with a valuable resource for knowledge, inspiration, and growth. We appreciate your efforts in creating a platform that caters to the needs of higher education. Wishing College Era all the best!

Manoj Kuamr
Principal
Marwari College Ranchi

"श्रद्धा से श्रद्धांजलि समर्पित इन पावन आत्मा को जो पहले झारखण्ड के सपुत्र थे अब स्वर्ग के वो दूत है,

भावपूर्ण श्रद्धांजली

LATE SHIBU SOREN

(11 January 1944 – 4 August 2025), popularly known as "Dishom Guru", was an Indian politician who was a member of the Rajya Sabha, representing Jharkhand, and the leader of the Jharkhand Mukti Morcha (JMM). He previously served as the 3rd Chief Minister of Jharkhand, first for 10 days in 2005 (from 2 March to 12 March), then from 2008 to 2009, and again from 2009 to 2010. He was also the President of the JMM, a constituent of the INDIA Alliance. Soren was a Member of Parliament, Lok Sabha from Dumka from 1980 to 1984, 1989 to 1998, and 2002 to 2019. He also served as the Minister for Coal in the Union Cabinet three times: in 2004, from 2004 to 2005, and in 2006.

LATE RAMDAS SOREN

(1 January 1963 – 15 August 2025) was an Indian politician. He was a member of Jharkhand Mukti Morcha. Soren was the cabinet minister for the Minister of School Education and Literacy in Government of Jharkhand. He was the member of Jharkhand Legislative Assembly from the Ghatshila Constituency. Soren died on 15 August 2025, at the age of 62

SHRI RAMJI YADAV
Pro Chancellor,
YBN University, Ranchi

"College Era" एडुकेशनल पत्रिका के झारखण्ड की राजधानी रांची में पदार्पण पर मुझे बहुत हर्ष महसुस हो रहा है। इस पत्रिका के प्रधान संपादक श्री मनोज कुमार श्रीवास्तव को धन्यवाद देता हुं कि पिछले 25 वर्षों से शिक्षा के क्षेत्र में "स्कूल एरा" नामक पत्रिका निकालते आ रहे हैं। जिसका रजत जयंती वर्ष हमलोग मना रहे हैं और इसी क्रम में दुसरी मैग्जीन "कॉलेज एरा" नामक पत्रिका का प्रकाशन हो रहा है। वो काबिले तारीफ है। हमें आशा है कि कॉलेज एरा पत्रिका छात्रों से जुड़े शैक्षिक रचनात्मक एवं समाजिक सरोकारों को एक उन्नत मंच प्रदान करेगा। आप सब के इस प्रगतिशील प्रयास के लिए मैं पूरे कॉलेज एरा टीम को बधाई देता हूं और विश्वास करता हूं कि कॉलेज एरा पत्रिका को शिक्षा के क्षेत्र में नित्य नये आयाम तय करेगी।

SHRI RAMJI YADAV
Pro Chancellor/ Founder
YBN University, Ranchi

डॉ. ओम प्रकाश
सहायक प्राध्यापक
राजकीय शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, रांची

स्कूल एरा को मैं ढ़ेर सारी बधाई देता हूं की पिछले कई दशक से झारखंड में शिक्षा के क्षेत्र में काम करते आ रहे हैं। इसी क्रम में 'कॉलेज एरा' नामक पत्रिका का जो आगमन हुआ है वह काफी सराहनीय कदम है जहां छात्र मोबाईल की दुनिया में आगे बढ़ने का प्रयास कर रहें हैं वही आकांक्षा पब्लिकेशन की टीम किताब के माध्यम से अपने देश को कैसे आगे बढ़ायें इसके लिए यह टीम लगातार काम कर रही है। इस साहसिक कदम के लिए मैं पूरी टीम को बधाई देता हूं और 'कॉलेज एरा' मैग्जीन हम सब के बीच लाने के लिए पूरी टीम का धन्यवाद देता हूं।

डॉ. ओम प्रकाश
सहायक प्राध्यापक
राजकीय शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, रांची

Brain Exercises

Start off with these simple series of numbers. Number series questions measure your ability to reason without words. To answer these questions, you must determine the pattern of the numbers in each series beforeyou will be able to choose which number comes next. These questions involve only simple arithmetic. Although most number series items progress by adding or subtracting, some questions involve simple multiplication or division. In each series, look for the degree and direction of change between the numbers. In other words, do the numbers increase or decrease, and by how much?

1. Look at this series: 2, 4, 6, 8, 10, . . . What number should come next?
   a. 11
   b. 12
   c. 13
   d. 14
2. Look at this series: 58, 52, 46, 40, 34, . . . What number should come next?
   a. 26
   b. 28
   c. 30
   d. 32
3. Look at this series: 40, 40, 47, 47, 54, . . . What number should come next?
   a. 40
   b. 44
   c. 54
   d. 61
4. Look at this series: 544, 509, 474, 439, . . . What number should come next?
   a. 404
   b. 414
   c. 420
   d. 445
5. Look at this series: 201, 202, 204, 207, . . . What number should come next?
   a. 205
   b. 208
   c. 210
   d. 211
6. Look at this series: 8, 22, 8, 28, 8, . . . What number should come next?
   a. 9
   b. 29
   c. 32
   d. 34
7. Look at this series: 80, 10, 70, 15, 60, . . . What number should come next?
   a. 20
   b. 25
   c. 30
   d. 50
8. Look at this series: 36, 34, 30, 28, 24, . . . What number should come next?
   a. 20
   b. 22
   c. 23
   d. 26
9. Look at this series: 22, 21, 23, 22, 24, 23, . . . What number should come next?
   a. 22
   b. 24
   c. 25
   d. 26
10. Look at this series: 3, 4, 7, 8, 11, 12, . . . What number should come next?
    a. 7
    b. 10
    c. 14
    d. 15
11. Look at this series: 31, 29, 24, 22, 17, . . . What number should come next?
    a. 15
    b. 14
    c. 13
    d. 12
12. Look at this series: 21, 9, 21, 11, 21, 13, . . . What number should come next?
    a. 14
    b. 15
    c. 21
    d. 23
13. Look at this series: 53, 53, 40, 40, 27, 27, . . . What number should come next?
    a. 12
    b. 14
    c. 27
    d. 53
14. Look at this series: 2, 6, 18, 54, . . . What number should come next?
    a. 108
    b. 148
    c. 162
    d. 216
15. Look at this series: 1,000, 200, 40, . . . What number should come next?
    a. 8
    b. 10
    c. 15
    d. 20
16. Look at this series: 7, 10, 8, 11, 9, 12, . . . What number should come next?
    a. 7
    b. 10
    c. 12
    d. 13
17. Look at this series: 14, 28, 20, 40, 32, 64, . . . What number should come next?
    a. 52
    b. 56
    c. 96
    d. 128
18. Look at this series: 1.5, 2.3, 3.1, 3.9, . . . What number should come next?
    a. 4.2
    b. 4.4
    c. 4.7
    d. 5.1
19. Look at this series: 5.2, 4.8, 4.4, 4, . . . What number should come next?
    a. 3
    b. 3.3
    c. 3.5
    d. 3.6
20. Look atthis series: 2, 1, —2—, —4—, . . . What number should come next?
    a. —3
    b. —8
    c. —8
    d. —1—6

ANSWER

1	(b)	2	(b)	3	(c)
4	(a)	5	(d)	6	(d)
7	(a)	8	(b)	9	(c)
10	(d)	11	(a)	12	(c)
13	(b)	14	(c)	15	(a)
16	(b)	17	(b)	18	(c)
19	(d)	20	(b)	*	*

(सभार)

COMPUTER

MOST EXPECTED QUESTIONS FOR ALL COMPETITIVE EXAMS

1. The collection of unprocessed facts, figures and symbols is known as _____.
(a) Information (b) Software (c) Data and Information (d) None of the above
Ans. (d) None of the above as the correct answer is data

2. _____ is the processed form of data which is organized meaningful and useful.
(a) Information (b) Software (c) Data (d) None of the above
Ans. (a) Information

3. Hardware is any part of the computer that has a physical structure that can be seen and touched.
(a) True (b) False (c) Not sure (d) None of the above
Ans. (a) True

4. Components of computer hardware are _____.
(a) Input devices and output devices (b) A system unit and storage devices
(c) Communication devices (d) All of the above
Ans. (d) All of the above

5. _____ devices accept data and instructions from the user.
(a) Output (b) Input (c) Components of hardware (d) Storage
Ans. (b) Input

6. Which disk is made up of a circular thin plastic jacket coated with magnetic material?
(a) Hard Disk (b) Compact Disk (c) DVD (d) Floppy Disk
Ans. (d) Floppy Disk

7. _____ disks are used to store more than 25 GB of data with a very high speed in less amount of time.
(a) Digital Versatile (b) Compact (c) Blue-Ray (d) None of the above
Ans. (c) Blue-Ray

8. Random Access Memory and Read Only Memory are examples of _____.
(a) Primary Memory (b) Secondary Memory
(c) Auxiliary Memory (d) Both primary and secondary memory
Ans. (a) Primary Memory

9. Which system uses only the digits 0 and 1?
(a) Bits (b) Binary number system (c) Secondary number system (d) Nibbles
Ans. (a) Bits

10. There are two primary types of softwares namely _____ and _____.
(a) General Purpose and tailor made (b) Operating System and utility software
(c) Application Software and System Software (d) None of the above
Ans. (c) Application Software and System Software

11. Gimp, Adobe Photoshop, Corel Draw, Picasa etc. are examples of _____ softwares. Spreadsheets
(a) Word Processors (b) Desktop publishing © Presentation
Ans. (b) Desktop publishing

12. Which generation computers used high level languages such as FORTRAN and COBOL and also used transistors instead of vacuum tubes?
(a) I Generation (b) II Generation (c) III Generation (d) V Generation
Ans. (b) II Generation

13. IBM notebooks, Pentium PCs-Pentium 1/2/3/4/Dual core/Quad core, PARAM 10000 are examples of which generation of computers?
(a) I Generation (b) IV Generation (c) III Generation (d) V Generation
Ans. (d) V Generation

14. According to the functioning of computers, they are divided into three categories namely _____, _____ and _____.
(a) Mainframe, Supercomputer and Mini computer
(b) Analog, Digital and Hybrid
(c) Palmtop, PC and Desktop
(d) Micro-computers, Digital and Hybrid
Ans. (b) Analog, Digital and Hybrid

15. _____ is a cabling technology for transferring data to and from digital devices at high speeds.
(a) S-Video Port (b) FireWire (c) Ethernet Port (d) PS/2 Port
Ans. (b) FireWire

16. _____ is used to connect the monitor to the computer which offers images at higher resolutions.
(a) USB Port (b) Video Graphics Array (c) Parallel Port (d) None of the above
Ans. (b) Video Graphics Array

(सभार)

झलकियां

राम शोभा कॉलेज ऑफ एजूकेशन में शैक्षिक भ्रमण

राष्ट्रीय सेवा योजना विशेष शिविर के तहत राम शोभा कॉलेज ऑफ एजूकेशन में शैक्षिक भ्रमण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. ज्योति वालिया ने ग्राम के मुखिया रमेश बेदिया को पौधा एवं मोमेंटो भेंट कर कार्यक्रम की शुरुआत की। प्राचार्या ने कहा कि इस कार्यक्रम से छात्र–छात्राओं को शिक्षा के साथ–साथ सामाजिक सरोकार और ग्रामीण विकास की महत्वता का भी अनुभव हुआ है। जबकि कॉलेज के प्रशिक्षकों ने एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी अभिषेक कुमार पांडेय के नेतृत्व में ओरमांझी प्रखंड के आदर्श गांव आराकेरम का विजिट किया।

आरयू में नागपुरी विभाग में साहित्य संगोष्ठी

रांची यूनिवर्सिटी के जनजाति एवं क्षेत्रीय भाषा संकाय के नागपुरी विभाग में साहित्य संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में विश्व भारती शांति निकेतन विश्वविद्यालय पश्चिम बंगाल के पूर्व कार्यवाहक कुलपति प्रोफेसर मुक्तेश्वर नाथ तिवारी भी शामिल हुए। इस अवसर पर विभाग के छात्रों ने साहित्य से जुड़े हुए अनेक प्रश्नों द्वारा अपने जिज्ञासाओं को शांत किया। इस अवसर पर विभाग अध्यक्ष डॉ. उमेश नंद तिवारी डॉ. रिशु नायक शिक्षक शोधार्थी व अन्य छात्र–छात्राएं भी उपस्थित थे।

आरयू पीजी साइकोलॉजी विभाग में पोस्ट ग्रैजुएट डिप्लोमाः आरयू पीजी साइकोलॉजी विभाग में पोस्ट ग्रैजुएट डिप्लोमा इन गाइडेंस एंड काउंसलिंग (पीजीडीजीसी) कोर्स में एडमिशन की प्रक्रिया की शुरु हो गई है। विद्यार्थी साइकोलॉजी विभाग से एडमिशन फॉर्म प्राप्त कर सकते हैं। सामान्य और ओबीसी वर्ग शिक्षण शुल्क प्रति सेमेस्टर 12500, एसटी एससी के लिए– 10500 निर्धारित किए गए हैं।

आरयू प्रशासन ने स्नातकोत्तर अंग्रेजी विभाग में डॉ. सुप्रियाः आरयू प्रशासन ने स्नातकोत्तर अंग्रेजी विभाग में अध्यक्ष पद पर डॉ. सुप्रिया को नियुक्त किया है। क्योंकि वर्तमान अध्यक्ष डॉ. पूनम सहाय का कार्यकाल समाप्त हो गया था ।डॉ सुप्रिया इसके पूर्व बिमेंस कॉलेज की प्राचार्य के पद को संभाल रही थी।

वाईबीएन टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज, वाईबीएन यूनिवर्सिटी में प्रशिक्षु शिक्षकों द्वारा शोध पत्र

वाईबीएन टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज, वाईबीएन यूनिवर्सिटी में आज प्रशिक्षु शिक्षकों द्वारा Understanding the Self विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किए गए। इस कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षक शिक्षा में आत्मज्ञान, भावनात्मक समझ और नवाचार की भावना को प्रोत्साहित करना था। शोध पत्रों में आत्म–परिचय को शिक्षक के गुणों एवं योगाभ्यास के माध्यम से विकसित करने पर विशेष बल दिया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में राजकीय शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, कांके, रांची (इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज इन एजुकेशन झारखंड) के शिक्षक डॉ. ओम प्रकाश ने छात्रों से संवाद करते हुए बताया कि शिक्षा मानव का तीसरा नेत्र है, जो केवल ज्ञान ही नहीं बल्कि भावनाओं और मानवीय संवेदनाओं को समझने की क्षमता भी प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि शिक्षक, छात्रों की रुचि एवं सहभागिता बढ़ाकर उन्हें नवाचार की दिशा में प्रेरित कर सकते हैं, जिससे ये विकसित भारत @2047 के निर्माण में अमूल्य योगदान देंगे। वाईबीएन यूनिवर्सिटी के संस्थापक डॉ. रामजी यादव ने अपने आशीर्वचन में भावी शिक्षकों को नैतिक मूल्यों, सामाजिक जिम्मेदारी और सतत अधिगम की दिशा में अग्रसर रहने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर कॉलेज के प्राचार्य डॉ. शुभास, उप–प्राचार्य डॉ. कैलाश एवं संकाय सदस्य डॉ. संदीप, डॉ. शुभाशीष, डॉ. सुमन, डॉ. मंडवी सहित बड़ी संख्या में प्रशिक्षु शिक्षक उपस्थित रहे। पूरे सत्र में उत्साह, संवाद और सकारात्मक ऊर्जा का वातावरण रहा।

वाईबीएन यूनिवर्सिटी में आयोजित मेगा जॉब फेयर में 100 से अधिक छात्रों का चयनः इंस्टीट्यूट फॉर इंडस्ट्रियल एंड एकेडमिक रिसर्च (आईआईएआर) एवं वाईबीएन यूनिवर्सिटी, रांची के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित मेगा जॉब फेयर–2025 का सफलतापूर्वक समापन हुआ। इस जॉब फेयर में युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और 250 से अधिक छात्रों ने विभिन्न कंपनियों के लिए पंजीकरण कराया, जिनमें से 100 से अधिक छात्रों का चयन अलग–अलग प्रतिष्ठित कंपनियों में हुआ। इस अवसर पर टाटा मोटर्स, सीएटी, एमआरएफ, फॉक्सकॉन, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल, गौतम सोलर, क्वेस कॉर्प, हैवेल्स, टीवीएस ऑटोमोबाइल सॉल्यूशंस, विस्ट्रॉन–टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स, विप्रो–कावासाकी जैसी नामी कंपनियों ने भर्ती प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी की। विशेष रूप से क्वेस कॉरपोरेशन द्वारा टाटा मोटर्स हेतु की गई भर्ती में छात्रों को 18,500 रुपये प्रतिमाह वेतन, रहने–खाने एवं परिवहन की सुविधाएँ तथा यूजीसी मान्यता प्राप्त कॉलेज से डिप्लोमा प्रायोजन का अवसर भी प्रदान किया गया।

कार्यक्रम में आईआईएआर की निदेशक डॉ. आरती माहतो, सहायक निदेशक डॉ. फरहाना रोजी, प्रशासनिक अधिकारी सरोजिनी टोप्पो, सीईओ पंकज रॉय प्लेसमेंट ऑफिसर कपिल देव महतो उपस्थित रहे द्य वहीं वाईबीएन यूनिवर्सिटी से अध्यक्ष डॉ. रामजी यादव, सीएमडी डॉ. अंकिता यादव, कुलपति डॉ. सत्यदेव पोद्दार, डॉ. अर्पणा शर्मा (डीन अकादमिक्स), डॉ. आशीष सरकार (निदेशक, आईक्यूएसी), डॉ. सोनिया रानी (प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट अधिकारी), डॉ. मोहम्मद शाहिद (विभागाध्यक्ष, रसायन विभाग) एवं डॉ. अरति गुप्ता (डीन स्टूडेंट वेलफेयर) ने कार्यक्रम की सफलता में विशेष भूमिका निभाई।

यह आयोजन न केवल झारखंड बल्कि पूरे देश के युवाओं को रोजगार के नए अवसर प्रदान करने की दिशा में एक सराहनीय पहल साबित हुआ।

आरटीसी बीएड कॉलेज राँची के संयुक्त तत्वावधान में "व्यास पूजा सह एक दिवसीय संगोष्ठी"

भारतीय शिक्षण मंडल, झारखंड प्रांत और आरटीसी बी एड कॉलेज राँची के संयुक्त तत्वावधान में "व्यास पूजा सह एक दिवसीय संगोष्ठी" का सफल आयोजन संपन्न हुआ। इस व्यास पूजन सह संगोष्ठी का विषय "भारतीय संस्कृति में गुरु शिष्य परंपरा" रहा इस संगोष्ठी का उद्घाटन आरटीसी बी एड कॉलेज के निर्देशक डॉ रुद्रनारायण महतो ने किया, साथ हीं सभी अतिथियों ने द्वीप प्रज्वलन कर भारत माता व महर्षि वेदव्यास के तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर किया। मुख्यतिथि डीएवी बरियातू के प्रिंसिपल डॉ संजय कुमार मिश्रा, मुख्यवक्ता प्रांत अध्यक्ष डॉ रणजीत कुमार मिश्र, विशिष्ट अतिथि प्रांत मंत्री डॉ सुबास साहु व संगोष्ठी की अध्यक्षता आरटीसी कॉलेज की प्राचार्या डॉ रिचा पदमा' ने किया व संगोष्ठी की संचालन डॉ प्रिया पांडेय ने किया । डॉ संजय कुमार मिश्रा ने अपने संबोधन में भारतीय संस्कृति में गुरु की महिमा का वर्णन वैदिक काल से ही मिलता है गुरु अपने आचरण से अनुभव व अनुभूतियों से शिष्यों को सिर्फ ज्ञान की बातों के अलावा शिष्यों के जीवन मूल्यों, नैतिक शिक्षा,अध्यात्म, धर्म,कर्तव्य आदि के साथ आत्मसात् कर ज्ञान का आत्मबोध कराते थे। श्री राम और महर्षि वशिष्ठ, श्री कृष्ण और महर्षि पाणिनि जैसे कई महान लोगों की बातें बताये। वर्तमान युग में इस परम्परा को पुनः स्थापित करने की आवश्यकता है। मुख्यवक्ता डॉ रणजीत कुमार मिश्रा ने

अपने संबोधन में कहे की मैं भारत हूँ और मैं एक कदम भी बढ़ता हूँ तो मेरा भारत बढ़ेगा इस भाव के साथ राष्ट्र सर्वोपरि के भाव जगाने वाले गुरु हीं होते हैं गुरु ज्ञान के साथ साथ राष्ट्र निर्माता भी होते हैं, चाणक्य और चंद्रगुप्त की सार तत्व से हम सभी अवगत हैं हीं, गुरु शिष्य की परम्परा देवव्यास जी के जयंती गुरु पूर्णिमा के दिन मनाई जाती है उसी का यह एक कड़ी है। हमें इस परम्परा को पुनः स्थापित करना होगा। संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए डॉ रिचा पदमा ने कहा कि इस गुरु शिष्य परम्परा को पुनः स्थापित करने को लेकर भारतीय शिक्षण मंडल झारखंड प्रांत के अध्यक्ष महोदय व प्रांत मंत्री महोदय का मैं आभारी हूँ कि हमारे कॉलेज को यह अवसर प्रदान किया और हमारे विद्यार्थियों में भी यह भाव पुनः प्रवाहमान बना रहे। भारतीय संस्कृति का अमूल्य धरोहरों को हमें संरक्षित करने का प्रयास हमें करना चाहिए। आरटीसी बी एड कॉलेज के निर्देशक डॉ रुद्रनारायण महतो, डी ए वी के प्रधानाचार्य डॉ संजय कुमार मिश्रा झारखंड शिक्षण मंडल प्रांत अध्यक्ष डॉ रणजीत कुमार, प्रांत मंत्री डॉ सुधास साहु, प्राचार्या डॉ रिचा पदमा,डॉ नरेश कुमार मिश्रा, डॉ सुबोध कुमार, डॉ ओम प्रकाश महतो, डॉ प्रिय पांडेय डॉ ममता कुमारी, बिनोद प्रसाद सहित कॉलेज के कई गणमान्य शिक्षक गण व सैकड़ों विद्यार्थीगण उपस्थित रहे।

दिव्यायन कृषि विज्ञान केन्द्र, रामकृष्ण मिशन आश्रम, मोराबादी, रांची

60 दिवसीय निदेशालय पुनर्वास (डी.जी.आर.) प्रायोजित भूतपूर्व सैनिकों का कौशल प्रशिक्षण का शुभारम्भ, दिव्यायन कृषि विज्ञान केन्द्र, रामकृष्ण मिशन आश्रम, मोराबादी, रांची के तत्वावधान में निदेशालय पुनर्वास (डी. जी. आर.) प्रायोजित भूतपूर्व सैनिकों का कौशल प्रशिक्षण का विधिवत शुभारम्भ समारोह का आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम निदेशालय पुनर्वास (डी. जी. आर.), रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से किया गया। समारोह की शुरुआत मुख्य अतिथि कर्नल (रिटायर्ड) श्री एस. के. गुप्ता, उपनिदेशक सैनिक कल्याण निदेशालय, रांचीय स्वामी भवेशानंद, सचिवय स्वामी अंतरानंद, सह–सचिव, रामकृष्ण मिशन आश्रम, मोराबादी, रांची द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार एवं दीप प्रज्जवलित कर किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि का स्वागत स्वामी भवेशानंद द्वारा अंगवस्त्र, दिव्यायन के जैव उत्पाद एवं स्वामीजी की पुस्तक देकर किया गया। मुख्य अतिथि ने भूतपूर्व सैनिकों को प्रोत्साहित करते हुए प्रशिक्षण के मुख्य उद्देश्यों को पूरा कर देश को विकसित भारत बनाने का आहवान किया। इन्होंने सैनिकों को सेवानिवृत होने के पहले अपने कार्यालय से सभी दस्तावेज को सही करने एवं सरकारी योजनाओं का फायदा लेने हेतु जागरूक होने के आवश्यकता पर बल दिया। दिव्यायन कृषि विज्ञान केंद्र के वरीय वैज्ञानिक डॉ. अजीत कुमार सिंह ने दिव्यायन परिसर में अनुशासन एवं पूरी लगन से डेयरी, मुर्गीपालन एवं बकरीपालन प्रबंधन में प्रशिक्षण लेकर सेवानिवृत होने के बाद स्वरोजगार के द्वारा आत्मनिर्भर बनने का आहवान किया। स्वामी भवेशानंद महाराज ने स्वागत संबोधन में भूतपूर्व सैनिक प्रशिक्षनार्थियों को देश को समृद्ध एवं आत्मनिर्भर बनाने हेतु प्रेरित किया द्य उन्होंने भूतपूर्व सैनिकों का कौशल प्रशिक्षण के उपरान्त स्वामीजी के आदर्शों के अनुरूप नए भारत गठन करने का एवं देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की अपील की। इन्होंने सैनिकों को आश्रम के अनुशासन के अनुरूप कौशल प्रशिक्षण लेकर तथा मूल्यों पर आधारित शिक्षा के द्वारा अपने लक्ष्य को पूरा करने एवं स्वनियोजित होने का आहवान किया द्य स्वामीजी ने इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में सैद्धान्तिक एवं व्यवहारिक क्लास के साथ–साथ योग एवं नैतिक शिक्षा के समन्वयन के द्वारा देश को विकसित भारत बनाने में सक्रीय भूमिका होने की अपील की। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 21 जुलाई से 19 सितम्बर 2025 तक आयोजित की जाएगी। मौके पर दिव्यायन कृषि विज्ञान केंद्र के श्री ओ. पी. दुबे, श्री संजय डिंडा, ई. ओ. पी. शर्मा, ई. विकास कुमार, श्री गंभीर कुमार महतो एवं कूल 38 भूतपूर्व सैनिक व अन्य कई कार्यकर्ता उपस्थित थे। संस्थान के सह–सचिव स्वामी अंतरानंद महाराज ने धन्यवाद ज्ञापन किय। कार्यक्रम का संचालन डॉ. रबिन्द्र कुमार सिंह ने किया।

मनराखन महतो B.Ed कॉलेज में सावन उत्सव

मनराखन महतो B.Ed कॉलेज, रांची में सावन उत्सव का आयोजन किया गया जिसका उद्घाटन कालेज के अध्यक्ष मनराखन महतो ने किया। इस अवसर पर मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें M-Ed, B.Ed और डीएलएड के प्रशिक्षुओं ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में सुंदरता सृजनात्मक और प्रस्तुति के आधार पर विजेताओं का चयन किया गया।इस प्रतियोगिता में शिवानी कुमारी बीएड (2024 से 26) प्रथम जबकि दूसरे नंबर पर मधु कुमारी एवं अंशु कुमारी (बीएड 2024–26) रीना कुमारी एवं श्रद्धा कुमारी डीएलएड (2025– 27) एवं बीएड 2024 से 26 ने जीता। इस अवसर पर ट्रस्टी वीरेंद्र नाथ ओहदार, खुशबू सिंह, कृति, काजल, प्रबंधक मुकेश कुमार प्रशासिका मीना कुमारी एवं पुणे कुमारी एवं अन्य अतिथिगण उपस्थित थे।

छोटा नागपुर लॉ कॉलेज को मिला ऑटोनोमस का दर्जा

रांची विश्वविद्यालय से संबद्ध छोटा नागपुर लॉ कॉलेज ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल कर लिया है। ग्रांट कमीशन (यूजीसी) ने कॉलेज को स्वायत्त ऑटोनॉमस का दर्जा प्रदान किया। इस संबंध में आरयू प्रशासन द्वारा एक नोटिफिकेशन जारी कर दिया गया है। छोटा नागपुर लॉ कॉलेज को यह दर्जा शैक्षणिक सत्र 2025– 26 से 2029–30 तक 5 वर्षों के लिए दिया गया है। इसके साथ ही कॉलेज को कई नई शक्तियां मिल गई है। अब कॉलेज अपने स्तर पर ही नए सिलेबस डिजाइन कर सकेगा और परीक्षाओं का संचालन भी स्वयं ही कर पाएगा। इसके अलावा कालेज प्रबंधन नए और आधुनिक कोर्स शुरू कर सकेगा इसका श्रेय कॉलेज के प्रिंसिपल प्रोफेसर पंकज चतुर्वेदी और उनकी पूरी टीम को जाता है छोटा नागपुर लॉ कॉलेज राज्य का पहला और देश का तीसरा लॉ कॉलेज बन गया है जिसे यह उपलब्धि हासिल हुई है।

जेयूटी में आईईटीइ का नया ऑफिस झारखंड प्रौद्योगिकी विश्व–विद्यालय में इंस्टीट्यूट आफ इलेक्ट्रॉनिक्स एवं टेलीकम्युनिकेशन इंजीनियर (आईईटी) का रांची शाखा में एक नया कार्यालय खोला गया। जिसका उद्घाटन जेयूटी के कुलपति प्रोफेसर डी के सिंह आईईटीई के सचिव प्रोफेसर विजय कुमार सिंह और गवर्निंग काउंसिल के सदस्य डॉ. अजय कुमार ने किया। इस कार्यालय का मुख्य उद्देश्य इलेक्ट्रॉनिक्स दूरसंचार और सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र को बढ़ावा देना है। आईईटीइ रांची जेयूटी और अन्य विश्वविद्यालय के साथ मिलकर 16– 17 नवंबर को एक अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन करेगा। जिसमें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ शामिल होंगे।

बीआईटी मिश्रा में पांच दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला लर्निंग टाइम डायनॉमिकल सिस्टम एंड कंट्रोल– बीआईटी मिश्रा के सेंटर फॉर क्वानटेटिव इकोनॉमिक्स एंड डाटा साइंसेज की ओर से पांच दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला लर्निंग डायनॉमिकल सिस्टम एंड कंट्रोल फाउंडेशन मेथड एल्गोरिदम एंड इंप्लीमेंटेशन का आयोजन हुआ। इस कार्यशाला में स्टॉकेस्टिक प्रोग्रामिंग फिजिक्स गाइडेंस मशीन लर्निंग और क्राइम

कंट्रोल में डायनेमिक प्रोग्रामिंग जैसे विषयों पर डिस्कशन हुआ और सब ने अपने–अपने विचारों को साझा किए।

दृष्टि बाधित छात्रा मेघा मंडल ने नेट को क्रैक किया

वीमेंस कॉलेज,रांची से स्नाकोत्तर (2022 से 24) करने वाली दृष्टि बाधित छात्रा मेघा मंडल ने नेट की परीक्षा 89.27 परसेंटाइल से क्लियर कर लिया है। मेघा का सपना प्रोफेसर बनने का है इसलिए वह पीएचडी भी करना चाहती है।

YMIT पॉलिटेक्निक में श्रावण महोत्सव

टीपूदाना वी एम आईटी पॉलिटेक्निक में श्रावण महोत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मेहंदी, चित्रकला, नृत्य आदि प्रतियोगिताओं में सभी सेमेस्टर के बच्चों ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया। फर्स्ट, सेकंड, थर्ड आने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य राहुल भगत एवं संस्थान के सभी शिक्षकगण उपस्थित थे।

साईनाथ विश्वविद्यालय, रांची में प्रशिक्षण शिविर

साईनाथ विश्वविद्यालय रांची में 2एयर स्टोर्ड एनसीसी, रांची के तत्वाधान पर संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन विश्वविद्यालय के वीसी डॉ. एसपी अग्रवाल ने किया।बी व सी के प्रमाण पत्र के लिए प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे 400 एनसीसी कैडेट ने इसमें भाग लिया ।

स्वर्णरेखा कॉलेज में मां के नाम का पौधा

स्वर्ण रेखा फार्मेसी कॉलेज में पर्यावरण दिवस मनाते हुए विद्यार्थियों ने संस्थान के परिसर में मां के नाम पर एक–एक पौधा लगाया। इस अवसर पर संस्थापक डॉ. प्रकाश ने लगाए गए पौधों की भली–भांति देखभाल करने के लिए बच्चों से शपथ दिलवाई। इस अवसर पर प्रभारी निदेशक अजय कुमार समेत शिक्षक एवं अन्य कर्मचारी भी उपस्थित थे।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी यूनिवर्सिटी में डॉ.एस एम अब्बास को सोशल साइंस डीन के पद पर नियुक्त

डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी यूनिवर्सिटी में डॉ.एस एम अब्बास को सोशल साइंस डीन के पद पर नियुक्त किया गया है। जिनका कार्यकाल 2 वर्षों का होगा डॉ. सर्वोत्तम का कार्यकाल समाप्त हो जाने के कारण डॉ. अब्बास (एंथ्रोपोलॉजी विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर)को सोशल साइंस डीम का पद प्राप्त हुआ है।

राजकीय शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, कांके, रांची झारखंड का नंबर 1 शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय

सन 1955 में स्थापित राजकीय शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, कांके, रांची जिसे इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज इन एजुकेशन (IASE) के रूप में मान्यता प्राप्त है, झारखंड का प्रमुख शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान है। लगभग सात दशकों की शैक्षणिक उत्कृष्टता के साथ, इस महाविद्यालय ने हजारों शिक्षकों

को तैयार किया है जिन्होंने राज्य और राष्ट्र की शिक्षा व्यवस्था में उल्लेखनीय योगदान दिया है। महाविद्यालय की शैक्षणिक संरचना विभिन्न विशेष विभागों के माध्यम से सुदृढ़ है:

भाषा विज्ञान एवं साहित्य विभाग – हिंदी, अंग्रेजी, संस्कृत, उर्दू एवं क्षेत्रीय भाषाओं का संवर्धन।

कला एवं ललितकला विभाग – रचनात्मकता, सांस्कृतिक चेतना और कलात्मक अभिव्यक्ति का विकास।

विज्ञान एवं गणित विभाग – तार्किक चिंतन, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और आधुनिक शिक्षण विधियों को सशक्त बनाना।

राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS): सेवा, अनुशासन एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना का विकास।

आई सी टी प्रयोगशाला: भावी शिक्षकों को 21वीं सदी के डिजिटल कौशल से सुसज्जित करना।

उद्यान विभाग: पर्यावरण चेतना और सतत विकास की शिक्षा।

समृद्ध पुस्तकालय: पुस्तकों, पत्रिकाओं और डिजिटल संसाधनों का विशाल संग्रह, उच्च स्तरीय अध्ययन को सहयोग प्रदान करता है।

झारखंड के नंबर 1 शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के रूप में यह संस्थान सदैव समग्र शिक्षक शिक्षा पर बल देता रहा हैकृजिसमें शैक्षणिक गुणवत्ता, कला, प्रौद्योगिकी, सामाजिक उत्तरदायित्व और नैतिक मूल्यों का समन्वय है। यह निरंतर नवाचार, शोध और सृजनशीलता का केंद्र बना हुआ है, जो भावी शिक्षकों को केवल विषय विशेषज्ञ ही नहीं बल्कि समाज को दिशा देने वाले सच्चा नेतृत्व भी तैयार करता है।

डीएसपीएमयू में काव्य पाठ

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी यूनिवर्सिटी एवं संस्कृत भारती रांची के संयुक्त तत्वाधान में संस्कृत सप्ताह के तहत काव्य पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें छात्रों ने श्री भागवत गीता रघुवंशम और किराता–र्जुनीयम के श्लोक पाठ किया। गीता पाठ प्रतियोगिता में सर्वोत्तमा कुमारी पहले स्थान पर जबकि किरातार्जुनीयम श्लोक पाठक में भोला मिश्रा रघुवंशम श्लोक पाठ प्रतियोगिता में गुलाची कुमारी पहले स्थान पर रही। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव तथा संस्कृत विभाग के अध्यक्ष डॉ धनंजय वासुदेव द्विवेदी संस्कृत भारती झारखंड के प्रांत के उपाध्यक्ष डॉ दीपेंद्र राम कश्यपदा ने अपने अपने विचारो को साझा किए ।

सेंट जेवियर्स इंटर कॉलेज में आजादी का महोत्सव

सेंट जेवियर्स इंटर कॉलेज, रांची में आजादी के 79 वे अमृत महोत्सव के अवसर पर दो दिवसीय कंपटीशन का आयोजन किया गया। जिसमें स्केचिंग पोस्टर मेकिंग बुकमार्क डिज़ाइनिंग सोलो सॉन्ग ग्रुप डांस आदि कंपटीशन हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि सेंट जेवियर्स कॉलेज के बर्सेर फादर रवि हेमंत कुजुर और इंटर कॉलेज के प्रिंसिपल फादर अजय अनिल तिर्की एमजे थे।

बीआईटी मिश्रा में पांच दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला लर्निंग टाइम डायनॉमिकल सिस्टम एंड कंट्रोल

बीआईटी मिश्रा के सेंटर फॉर क्वानटेटिव इकोनॉमिक्स एंड डाटा साइंसेज की ओर से पांच दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला लर्निंग डायनॉमिकल सिस्टम एंड कंट्रोल फांउडेशन मेथड एल्गोरिदम एंड इंप्लीमेंटेशन का आयोजन हुआ। इस कार्यशाला में स्टॉकेस्टिक प्रोग्रामिंग फिजिक्स गाइडेंस मशीन लर्निंग और क्राइम कंट्रोल में डायनेमिक प्रोग्रामिंग जैसे विषयों पर डिस्कशन हुआ और सब ने अपने–अपने विचारों को साझा किए।

वीमेंस कॉलेज में प्रेमचंद जयंती

वीमेंस कॉलेज, रांची के हिंदी विभाग में प्रेमचंद की जयंती मनाई गई इस अवसर पर विभागा अध्यक्ष डॉ. प्रज्ञा गुप्ता, डॉ. मधुबाला सिंह, डॉ. सीमा प्रसाद, डॉ. उर्वशी, विशाखा, अस्मिता ,लक्ष्मी ने अपने–अपने विचारों को साझा किया। उन्होंने प्रेमचंद की रचनाओं को हिंदी का सशक्त माध्यम बताया।

प्रेमचंद उपन्यास और कहानियों के सम्राट

सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ झारखंड में प्रेमचंद्र जयंती के शुभ अवसर पर हिंदी कार्यशाला का आयोजन हुआ। इस अवसर पर संस्थान के कुलपति प्रो. क्षितिज भूषण दास परत्नेश, विश्वक्सेन, मधुरागी श्रीवास्तव ,प्रो. श्रेया आदि उपस्थित थे। उन्होंने प्रेमचंद को साहित्य एवं उपन्यास का सम्राट बताया। कुलपति प्रो. क्षतिभूषण दास ने कहा कि प्रेमचंद की रचनात्मक कहानियो को वर्तमान समय में भी प्रासंगिक है।

जेयूटी में आईईटीइ का नया ऑफिस

झारखड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में इंस्टीट्यूट आफ इलेक्ट्रॉनिक्स एवं टेलीकम्युनिकेशन इंजीनियर (आईईटी) का रांची शाखा मैं एक नया कार्यालय खोला गया। जिसका उद्घाटन जेयूटी के कुलपति प्रोफेसर डी के सिंह आईईटीई के सचिव प्रोफेसर विजय कुमार सिंह और गवर्निंग काउंसिल के सदस्य डॉ. अजय कुमार ने किया। इस कार्यालय का मुख्य उद्देश्य इलेक्ट्रॉनिक्स दूरसंचार और सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र को बढ़ावा देना है। आईईटीइ रांची जेयूटी और अन्य विश्वविद्यालय के साथ मिलकर 16– 17 नवंबर को एक अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन करेगा। जिसमें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ शामिल होंगे।

संतोष कॉलेज टीचर्स ट्रेनिंग में 7 दिवसीय कार्यशाला

संतोष कॉलेज ऑफ टीचर्स ट्रेनिंग एंड एजुकेशन के आइक्यूएसी सेल द्वारा सात दिवसीय फैकेल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का आयोजन किया गया। जिसमें शिक्षा के भारतीय दृष्टिकोण पर सांकाय सदस्यों ने मार्गदर्शन किया।इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में रांची विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. दिनेश कुमार सिंह ने डेवलपिंग प्रोग्राम को वर्तमान समय की दृष्टि से प्रासंगिक और व्यावहारिक बताया। इस अवसर पर रिसोर्सेज ऑफ पर्सन के रूप में डॉ. श्याम प्रसाद मुखर्जी के विश्वविद्यालय दर्शनशास्त्र विभाग के विभाग का अध्यक्ष डॉ. आभा झा भी उपस्थित थी। उन्होंने भारतीय शिक्षा में दार्शनिक विचारधारा का वर्णन करते हुए वेदों को ज्ञान का प्रमुख स्रोत बताया एवं इसकी प्राचीनता पर प्रकाश डालें। प्रोग्राम के अंत में क्विज कंपटीशन का भी आयोजन हुआ।

सीआईटी में प्लास्टिक वेस्ट पर एक्सपर्ट टॉक

सीआईटी में एडवांस प्लास्टिक प्रसंस्करण तकनीक विषय पर एकदिवसीय एक्सपर्ट टॉक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में संस्थान के इंस्टीट्यूटशंस इनोवेशन काउंसिल के तत्वाधान में आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता केंद्रीय पेट्रोकेमिकल इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संस्थान (सीपेट) रांची के निर्देशक अवनीत कुमार जोशी ने विद्यार्थियों को प्लास्टिक वेस्ट रीसाइकलिंग एंव इसके दुष्प्रभावो आदि के बारे में जानकारियां दी।

सरला बिरला विश्वविद्यालय, राँची में "स्वर्णिम भारत एक्सपो – 2025"

सरला बिरला विश्वविद्यालय, राँची द्वारा आयोजित "स्वर्णिम भारत एक्सपो – 2025" के उद्घाटन कार्यक्रम में झारखंड के महामहिम राज्यपाल श्री संतोष गंगवार जी के साथ बतौर विशिष्ट अतिथि शामिल हुआ। यह आयोजन ज्ञान, नवाचार, कौशल विकास और आधुनिकता का संगम है। यह कार्यक्रम युवाओं, शोधकर्ताओं और उद्यमियों को नई दिशा और प्रेरणा देगा। इस दौरान सरला बिरला यूनिवर्सिटी के महानिदेशक श्री गोपाल पाठक, कुलपति श्री सी. जगन्नाथन, फेडरेशन ऑफ झारखंड चौम्बर के अध्यक्ष श्री परेश गठानी सहित अनेक बुद्धिजीवी , शिक्षाविद, विद्यार्थीगण उपस्थित रहें।

घुटनों का ख्याल कौन रखेगा : धोनी

धोनी आईपीएल 2026 में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए क्या महेंद्र सिंह धोनी मैदान में उतरेंगे? यह सवाल उनके सभी फ्रेंस के दिल में है। चेन्नई में एक कार्यक्रम के दौरान जब एक प्रशंसक ने जोर देकर या पूछा कि सर आपको खेलना ही होगा तब धोनी ने मुस्कुराते हुए कहा अरे घुटनों में जो दर्द होता है उसका ख्याल कौन रखेगा, उन्होंने कहा कि उनके पास अभी दिसंबर तक का समय है और वह कुछ महीने बाद ही इसका फैसला ले पाएंगे अगले सीजन में खेलेंगे या नहीं हालांकि 2025 में गायकवाड़ के इंजर्ड होने के बाद धोनी ने ही टीम की कप्तानी संभाली थी।

धोनी के लिए लाइब्रेरी

एक ऐसी भी लाइब्रेरी है जिस में सिर्फ धोनी से जुड़ी किताबें मिलेगी। जिसमें हिंदी, तमिल और अंग्रेजी की कई पुस्तकें शामिल है। मालाबार क्रिश्चियन कॉलेज कालीकट के क्रिकेट प्रशंसक डॉ. प्रो. एमसी वशिष्ठ ने 2020 में धोनी पर लिखे गए पुस्तकों का संग्रह शुरू किया जिसके पूरे 5 सालो हो गए।

बीसीसीआई का ऐज फ्रॉड पर बड़ा कदम

बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड) ने आयु धोंखाघड़ी के खिलाफ बड़ा कदम उठाया है। बोर्ड खिलाड़ियों के डॉक्यूमेंट की पुष्टि के लिए बाहरी एजेंसी को नियुक्त करने की तैयारी में है यह एजेंसी अगस्त के अंत तक नियुक्त हो सकती है। बोर्ड ने इसके लिए एक रिक्वेस्ट फॉर प्रोफेशनल जारी किया है जिसके तहत बोर्ड ने एजेंसियों से 3 वर्षों का अनुभव, देश भर में नेटवर्क डिजिटल वर्क फिजिकल वेरिफिकेशन की क्षमता और ग्रामीण क्षेत्रों में फील्ड चेकिंग की योग्यता मांगी है ताकि इस प्रक्रिया के जरिए आयु जांच की प्रक्रिया अधिक प्रोफेशनल और पारदर्शी हो हालांकि वर्तमान समय में बीसीसीआई दो स्तरीय आयु सत्यापन प्रणाली है पहले डॉक्यूमेंट के साथ फिर टेनर व्हाइट हाउस यानी ट ईडब्ल्यूएस बोन टेस्ट। यह प्रक्रिया अंडर –16 लड़कों और अंडर –15 लड़कियों पर लागू होता है हालांकि हर साल जुलाई अगस्त में ही बोर्ड खिलाड़ियों की उम्र की जांच करता है। मगर इस बार यह प्रक्रिया सितंबर तक बढ़ाई जा सकती है।

आईजीएल एविएशन ने 1446 पदों पर भर्ती निकाली

इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एवियशन सर्विसेज में 1446 पदों पर भर्ती निकाली है। **शैक्षणिक योग्यता** – एयरपोर्ट ग्राउंड स्टाफ को 12वीं पास लॉर्ड्स को दसवीं पारा होना चाहिए
आयु सीमा –18 से 30 साल
आवेदन शुल्क– एयरपोर्ट ग्राउंड स्टाफ को 350 रुपए और लोडर्स को ₹250 शुल्क लगेंगे। उम्मीदवार को ऑफिशल वेबसाइट igivaviationdelhi.com पर जाकर होम पेज पर रिक्रूटमेंट क्षेत्र पर क्लिक करें। आईजीएल सर्विस रिक्वायरमेंट 2024 पर क्लिक करें ।अप्लाई पर क्लिक करें। जरूरी आवश्यक डॉक्यूमेंट फोटो और सिग्नेचर अपलोड करने के बाद अपनी कैटेगरी के अनुसार फीस का भुगतान करें। फॉर्म को पूरा भरने के बाद इसे सबमिट कर दे और प्रिंट आउट सेव करके रखें ।
चयन प्रक्रिया– लिखित परीक्षा के आधार पर
लास्ट डेट 21 सितंबर 2025

तमिलनाडु टीचर रिक्वायरमेंट बोर्ड ने 1996 पदों पर वैकेंसी निकाली

टीचर रिक्रूटमेंट बोर्ड तमिलनाडु की तरफ से 1996 पदों पर भर्ती निकाली गई है इसकी शैक्षणिक योग्यता संबंधित क्षेत्र में 50 प्रतिशत मार्क्स के साथ पीजी डिग्री, B-Ed की डिग्री B-P-Ed, M-PEd की डिग्री होनी चाहिए। **आयु:** सामान्य वर्ग के लिए अधिकतम आयु सीमा 53 साल और रिजर्व रिजर्व कैटिगरी, विधवा के लिए 58 साल निर्धारित की गई है। सामान्य वर्ग को 600, रिजर्व कैटिगरी, दिव्यांग को ₹300 निश्चित किया है। इच्छुक उम्मीदवार ऑफिशल वेबसाइट www.trb.tn.gov.in पर जाकर होम पेज में आवेदन लिंक पर क्लिक करें ।अपनी डिटेल्स को भरकर रजिस्ट्रेशन करने के बाद एप्लीकेशन फॉर्म भरे और डॉक्यूमेंट अपलोड करें ।शुल्क जमा करके फॉर्म को सबमिट कर दें। इसका प्रिंट आउट लेकर रख ले। चयन प्रक्रिया ओएम आर बेस्ट एग्जाम होगा। **इसका लास्ट डेट 12 अगस्त 2025 है**

बीएसएफ में भर्ती

बीएसएफ ने कांस्टेबल और हेड कांस्टेबल के लिए सौ से ज्यादा पदों के लिए भर्ती निकाला है। इसकी शैक्षणिक योग्यता 10वीं पास
संबंधित ट्रेड में आईटीआई की डिग्री संबंधित ट्रेड में 2 वर्ष का अनुभव केंद्रीय या राज्य सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त फॉर्म से संबंधित ट्रेड में 3 वर्ष का अनुभव व्यावसायिक परीक्षा या समकक्ष परीक्षा पास होना चाहिए इसकी चयन प्रक्रिया एप्लीकेशन स्कैनिंग, रिटन एग्जाम, स्किल टेस्ट, ट्रेड टेस्ट, मेडिकल एग्जाम और डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन आयु सीमा अधिकतम 52 साल रिजर्व कैटेगरी के उम्मीदवारों को उम्र में छूट दी जाएगी चयन प्रक्रिया में भाग लेने के लिए इच्छुक उम्मीदवार www.bsf.gov.in वेबसाइट पर अधिक जानकारी प्राप्त कर सकते हैं आवेदक आवेदनपत्र को पूरी तरह भरकर इस पत्ते पर भेजें। रिक्रूटमेंट ब्रांच डायरेक्टर जनरल बीएसएफ ब्लॉक– 10 सीजी ओ कंपलेक्स लोधी रोड, नई दिल्ली 110003, **इसका लास्ट डेट 26 अगस्त 2025**

रांची में अग्नि वीर भर्ती रैली 2025– 26 का आयोजन

सेना भर्ती कार्यालय, रांची द्वारा अग्नि वीर भर्ती रैली 2025– 26 का आयोजन रांची में किया जा रहा है। रांची के खेल गांव में 22 अगस्त से 4 सितंबर तक भर्ती रैली होगी। इसमें झारखंड के मूल निवासी युवा शामिल हो सकते हैं इस रैली में आठवीं पास शामिल हो सकते हैं। अग्नि वीर (सामान्य ड्यूटी) अग्नि वीर (तकनीकी) अग्नि वीर (क्लर्क स्टोर कीपर तकनीकी) अग्निवीर(ट्रेड्समैन) दसवीं पास अग्नि वीर (ट्रेड्समैन) आठवीं पास पद पर युवाओं की नियुक्ति होगी। जिन अभिर्यथियो ने ऑनलाइन कॉमन एंट्रेंस एग्जामिनेशन (सीईई) पास की है वे ही इस रैली में भाग लें सकेंगे। सीईई से पास अभ्यर्थियों के रजिस्टर्ड ईमेल आईडी पर उनका एडमिट कार्ड भेज दिया गया है। इसके अलावा अभ्यर्थी अपना एडमिट कार्ड भारतीय सेना की वेबसाइट www.joinindianarmy.nic.in से अपने पंजीकृत खाते के माध्यम से डाउनलोड कर सकते हैं। बिना एडमिट कार्ड के रैली में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। एडमिट कार्ड के साथ सभी अभ्यर्थियों को ऑनलाइन जारी कैरक्टर सर्टिफिकेट, आवासीय प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र सहित अन्य शैक्षणिक प्रमाण पत्र की मूल कॉपी लाना अनिवार्य होगा ।अभ्यर्थी को अपने साथ एंड्रॉयड फोन भी लाना होगा ताकि ऑनलाइन वेरीफिकेशन भी ऑन द स्पॉट हो पाए। निर्धारित तिथि और समय पर ही रैली में उपस्थिती मान्य होगी। किसी भी अभ्यर्थी को अगर एडमिट कार्ड डाउनलोड करने में किसी भी प्रकार का समस्या हो तो सेना भर्ती कार्यालय, रांची में संपर्क कर सकते हैं। जो की मेन रोड ओभर ब्रिज स्थित भर्ती कार्यालय में ही होगा। सुबह 9:00 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक यहां पर संपर्क किया जा सकता है। रैली में अभ्यर्थियों की सुविधा का पूरा ख्याल रखा जाएगा। जिस में पानी सहित आराम करने की व्यवस्था भी होगी। ट्रैफिक और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी दिशा निर्देश जारी किया गया है। सेना भर्ती के निदेशक कर्नल विकास जी ने अभ्यर्थियों से अपील की है वह किसी भी तरह के दलाल या फर्जी व्यक्ति के बहकावे में ना आए केवल योग्यता और क्षमता के आधार पर ही अभ्यर्थियों का चयन किया जाएगा।

RPSC

पोस्ट–स्कूल लेक्चरर कुल पद– 3225 वेतनमान– लेवल 12 के अनुसार, आवेदन– 12 सितंबर तक, फीस– ₹600, पात्र –यूजी
आयु– 20 से 40 साल ऑफिशल वेबसाइट-www-rajasthan-gov-in

TN Co-oprative bank

पोस्ट– क्लर्क सहित अन्य, कुलपद– 2513 वेतनमान– 16 000– 96395/, आवेदन अंतिम तिथि– 26 अगस्त फीस– ₹50, पात्र– यूजी, आयु –अधिकतम 32 साल, ऑफिशल वेबसाइट-www.drbariyalur.net

हरियाणा लोक सेवा पोस्ट

असिस्टेंट डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी
कुलपद–255 वेतनमान– 53100– 167800
अंतिम तिथि– सितंबर तक
फीस– ₹1000, पात्र –यूजी
आयु– 21–42 साल ऑफिशल वेबसाइट: www.hpsc.gov.in

WBHRB

पोस्ट –स्टाफ नर्स कुलपद– 2582 वेतनमान– 29800– 39500, आवेदन– 3 सितंबर तक
फीस– ₹210, पात्र– बीएससी नर्सिंग डिग्री
आयु– 18 से 39 साल ऑफिशल वेबसाइट: www.hrb.wb.gov.in

BPSC

पोस्ट– असिस्टेंट प्रिंसिपल
कुलपद–539 वेतनमान– 131400 आवेदन– 12 सितंबर तक, फीस – ₹100
पात्र –इंजीनियरिंग पीएचडी
आयु– अधिकतम 30 साल
ऑफिशल वेबसाइट– bpsconline.bihar.gov.in

बिहार स्वास्थ्य विभाग

पोस्ट–आथ्रैल्मिक असिसटेंट
कुलपद–220 वेतनमान– 15000 आवेदन– 28 अगस्त तक, फीस ₹500
पात्र –12 वी, 2 साल का डिप्लोमा ट्रेनिंग
आयु– 21 से 42 साल ऑफिशल वेबसाइट www.bsse.bihar.gov.in

गेट 2026 शेड्यूल जारी

आईआईटी गुवाहाटी में ग्रेजुएट एप्टीट्यूड टेस्ट इन इंजीनियरिंग (गेट) 2026 का शेड्यूल जारी कर दिया है। रजिस्ट्रेशन 25 अगस्त से शुरू होगा जो की 25 सितंबर तक चलेगा। 25 सितंबर तक ही फीस जमा करवानी होगी। आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों को प्रति पेपर शुल्क ₹1000 और अनारक्षित वर्ग के लिए प्रति पेपर ₹2000 शुल्क रखा गया है। परीक्षा 7, 8 14 और 15 फरवरी 2026 को होगी। जबकि परिणाम मार्च 2026 में आएगा। गेट से आईआईटी के उ.जमबी प्रोग्राम में दाखिले के साथ पब्लिक सेक्टर अंडरटेकिंग (पीएसयू) में रिक्रूटमेंट होता है। बीटेक पास और किसी भी स्ट्रीम में ईयर फाइनल ईयर में पढ़ने वाले छात्र इसमें आवेदन कर सकते हैं।

टॉप 6 पीसयू में पैकेज

टॉप 6 पीएसयू में सालाना औसत पैकेज लगभग 20 लख रुपए के बराबर होता है। जिसमें से प्रमुख पीएसयू है–

1) ओएनजीसीः यह एक सेंट्रल पीएसयू है यह तेल विस्तार का काम करता है इसके इंटरनेशनल उपक्रम ओएनजीसी विदेश के लगभग 15 देश में है। पैकेज– 20 से 24 लाख
योग्यता– 65प्रतिशत के साथ बीटेक, आयु– 28 साल, चयन– गेट स्कोर व इंटरव्यू
ब्रांच– मैकेनिकल सिविल इलेक्ट्रॉनिक्स केमिकल इलेक्ट्रिकल

2) आइओसीएल : इसका काम पेट्रोल वितरण का होता है। इसमें अप्रत्यक्ष रूप से काफी लोग जुड़े होते हैं। पेट्रोलियम में विस्तार की सबसे अधिक संभावनाएं हैं। पैकेज– 20 से 24 लाख
योग्यता– 65% के साथ बीटेक बीई, आयु –30 साल, चयन –गेट,जीडी, पीआई ग्रुप
ब्रांच– मैकेनिक सिविल व इलेक्ट्रिकल।

3) एनपीसीआईएलः वाक का छोटा रूप है। कमर्शियल तौर पर न्यूक्लियर पावर प्लांट बनाकर संबंधित राज्य निजी कंपनियों को हैंडओवर करते हैं। पैकेज– 20 लाख योग्यता– 65 प्रतिशत अंकों के साथ बीटेक साथ आयु– 26 साल, चयन– गेट व खुद की लिखित परीक्षा
ब्रांच –मैकेनिकल, सिविल, इलेक्ट्रिकल इंस्ट्रूमेंटशन, इलेक्ट्रॉनिक व केमिकल

4) गेल इंडिया लिमिटेड : यह पीएसयू नेचुरल गैस एसपीजीआदि पर काम करता है ।अब घरों तक गैस पाइपलाइन नेटवर्क से सप्लाई की जा रही है उसके रखरखाव के जिम्मेदारी भी गेल की ही है। पैकेज– 20 लाख योग्यता– 65 प्रतिशत के साथ बीटेक –बीई, आयु– 26 साल, चयन– गेट स्कोर व पर्सनल इंटरव्यू,
ब्रांच– मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल, इंस्ट्रूमेंट टशन।

5) एनटीपीसीः भारत की सबसे अधिक कोयले से बिजली उत्पादन करने वाली कंपनियों में शामिल है। कोयले के अलावा अन्य माध्यम से बिजली का उत्पादन करने का काम इस पीएसयू का है। पैकेज –20 लाख योग्यता– बीटेक 65: आयु– 27 साल, चयन– गेट स्कोर
ब्रांच– मैकेनिकल सिविल मीइनिंग/अन्य।

6) कोल इंडियाः कोल इंडिया दुनिया की सबसे अधिक कोयला उत्पादन करने वाली कंपनी है। इसका आठ राज्यों में 83 माइनिंग एरिया में 322 एक्टिव माइंस है। पैकेज– 18लाख
योग्यता –65 प्रतिशत के साथ बीटेक बीई
आयु– 30 साल, चयन– गेट स्कोर, कभी खुद का एंट्रेंस ब्रांच– सिविल, माइनिंग और मैकेनिकल।

आरयू ने जारी किए परीक्षाओ की शेड्यूल

रांची यूनिवर्सिटी प्रशासन द्वारा पीजी फर्स्ट सेमेस्टर कला विज्ञान और वाणिज्य रेगुलर व वोकेशनल कोर्सेस एमएससी नर्सिंग ठ.म्क सेकंड पार्ट का एग्जाम शेड्यूल जारी कर दिया गया है। सभी परीक्षाओं का समय दोपहर 1रू00 से शाम 4रू00 बजे तक निर्धारित किया गया है। पीजी फर्स्ट सेमेस्टर सेशन 2024 से 26 कला विज्ञान और वाणिज्य के रेगुलर कोर्स की परीक्षाएं 25 अगस्त से 8 सितंबर तक चलेगी जबकि वोकेशनल कोर्सेज की परीक्षा 25 अगस्त से 15 सितंबर तक चलेगी।एमसी नर्सिंग सेशन 2022–24 फर्स्ट एंड सेकंड ईयर की परीक्षाएं 25 अगस्त से 8 सितंबर तक चलेगी। ठ.म्क सेकंड पार्ट– इसकी परीक्षा 25 अगस्त से 1 सितंबर तक चलेगी। इनका सेशन 2023 से 25 है।

नियुक्त होंगे 44 नए एकलव्य

झारखंड के 44 नए एकलव्य मॉडल आवासीय स्कूलों में 223 गेस्ट टीचर्स की नियुक्ति होगी।

सफलता उम्र की कोई उम्र नहीं

तेनकाशी (तमिलनाडु) में मां और बेटी दोनों ने एक साथ नीट की परीक्षा पास की। मां अमित वाली जो एक फिजियोथेरेपिस्ट थी लगभग तीन दशक पहले एमबीबीएस का सपना देखा था मगर किसी कारण से उसे पूरा नहीं कर पाई थी।जब बेटी नीट की तैयारी कर रही थी तो उन्होंने खुद भी वही किताबें लेकर पढ़ाई शुरू कर दी और बेटी जो भी पढ़ती थी उसे जाकर अपनी मां को समझा कर याद करती थी। इससे मां भी सीख जाती थी इस तरह दोनों की तैयारी पूरी हो जाती थी ।49 वर्षीय अमुथवल्लीमणिवन्नन और उसकी बेटी दोनों ने साथ में नीट यूजी2025 में परीक्षा पास कर ली। मां को पीडब्लयूडी वैल्यू दी कोटे के अंतर्गत विरुधुनगर के सरकारी मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस में दाखिला मिला जब कि संयुक्ता भी जल्दी अपने मेडिकल सफर की शुरुआत कर लेगी।

सफल पारा शिक्षकों का वेतन वृद्धि

झारखंड एकेडमिक काउंसिल द्वारा आयोजित पारा शिक्षकों की आकलन परीक्षा 2024 का परिणाम जारी कर दिया गया है इस परिणाम में 47 प्रतिशत पर शिक्षक असफल हो गए हैं। जैक अध्यक्ष डॉ. नटवा हांसदा ने परिणाम जारी किया और बताया कि परीक्षा लेवल 1 लेवल 2 दो चरणों में आयोजित की गई थी। जिसमें 10719 शिक्षक शामिल हुए थे। इस परीक्षा में 5724 अभ्यर्थी ही सफल हुए हैं चौंकाने वाले इस परिणाम में 53 प्रतिशत पारा शिक्षक ही पास हो पाए हैं। यह परीक्षा वैसे पारा शिक्षकों के लिए आयोजित की गई थी जिनका जेटेट नहीं था। लेवल–1 की परीक्षा में सबसे अधिक 9449 शिक्षक शामिल हुए थे जिसमें 4910 अभ्यर्थी ही सफल हो पाए हैं इसी प्रकार लेवल 2 में 1270 शिक्षक परीक्षा में बैठे जिसमें 1814 ही सफल हो पाए। पास शिक्षकों को जैक की ओर से वेतन में वृद्धि की किया जाएगा परिणाम जाने जारी करने के अवसर पर जैक अध्यक्ष डॉ. नटवा हांसदा के साथ जैक सचिव जयंत मिश्रा और आईटी पदाधिकारी कुणाल भी थे।

इलेक्ट्रॉनिक्स के 9 छात्रों का प्लेसमेंट डीएसपीएमयू में

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय के बीएससी इलेक्ट्रॉनिक्स के 9 छात्रों का चयन कैंपस प्लेसमेंट के द्वारा हुआ। टेक महिंद्रा ने तीन विद्यार्थी हर्षित शर्मा कनक प्रिया और राहुल कुमार का प्लेसमेंट लिया जबकि पांच विद्यार्थी श्रीजीव सेन,अमित कुमार, हंसराज शंकर, नीतीश कुमार और अंकित नारायण का चयन टीसीएस में हुआ। अंतरा साह का प्लेसमेंट विप्रो में हुआ। विभाग के समन्वयक डॉ. जेपी शर्मा ने सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई दी।

सेना में करियर

देश के युवाओं को सेवा की वर्दी आकर्षित करती है। सरकार अग्निपथ योजना के तहत हर साल 45 से 50000 अग्निपथ वीरों की भर्ती करती है।यह भी योजना है इस की संख्या पांचवें साल तक 90000 और छठे साल तक 1. 25 लाख प्रतिवर्ष तक लाई जाएगी। सेवा में अफसर बनने के लिए प्रवेश परीक्षा होती है। इसके बाद पांच दिनों तक एसएसबी इंटरव्यू और फिर मेडिकल जांच की जाती है। कैंडिडेट्स को ट्रेनिंग के लिए नेशनल डिफेंस अकैडमी, पुणे इंडियन मिलिट्री अकादमी, देहरादून और ऑफिसर्स ट्रेनिंग एकेडमी, चेन्नई इंडियन नेवल एकेडमी एझीमाला और एयर फोर्स एकेडमी, हैदराबाद जैसी एकेडमीयो में भेजा जाता है। सेना में करियर बनाने के लिए तीन रास्ते हैं थल सेना नौसेना और वायु सेना थल सेवा में करियर।

थल सेना में करियर बनाने के लिए ग्रेजुएशन के बाद प्रवेश के पांच तरीके होते हैं।

1) कंबाइंड डिफेंस सर्विसेस : परीक्षा साल में दो बार यूपीएससी करता है इसमें मिलिट्री एकेडमी (परमानेंट) ऑफिसर ट्रेनिंग(शॉर्ट सर्विस) नेवल एयर फोर्स एकेडमी में चयन होता है।

2) शार्ट सर्विस कमिशनः

इससे इंजीनियरिंग और नॉन इंजीनियरिंग पदों पर अधिकारी बनते हैं ट्रेनिंग ओटीए में होती है। सेवा 10 साल की होती है। जिसे बढ़ाया भी जा सकता है।

3) टेक्निकल ग्रेजुएट कोर्सः पुरुष इंजीनियरिंग ग्रेजुएट्स को इंडियन मिलिट्री एकाडमी में सीधा प्रवेश मिलता है। चयन सीधे SSB इंटरव्यू से होता है।

4) एनसीसी स्पेशल एंट्रीः नेशनल कैडेट क्रॉप स्पेशल एंट्री एनसीसी सर्टिफिकेट धारकों के लिए होती है। सीधे इ इंटरव्यू के लिए बुलाया जाता है।

5) जज एडवोकेट जनरलः एलएलबी में काम से कम 55प्रतिशत अंक और बढ़ काउंसिल में रजिस्ट्रेशन जरूरी है इससे सेवा के लीगल ब्रांच में अधिकारी बनते हैं। हालांकि इंटरमीडिएट (12वीं) के बाद भी सेना को ज्वाइन किया जा सकता है। इसके लिए नेशनल डिफेंस एकेडमी की परीक्षा साल में दो बार होती है। 10+2 (पीसीएएम) पास अविवाहित लड़के लड़कियां इसके पात्र होते हैं। चयनित को एनडीए में संयुक्त ट्रेनिंग मिलती है फिर वे सेना, वायु सेना, नौसेना की आकादमी में विशेष ट्रेनिंग करते हैं।

2) टेक्निकल एंट्री स्कीमः पीसीएम में 60 से 70 प्रतिशत अंक जेईई मेन क्वालीफाई वाले इसके पात्र है सीधे इ में इंटरव्यू होगा। चयनित ओटीए मे एक बेसिक ट्रेनिंग,फिर तकनीकी संस्थानो (CME, MCTE, MCEME) में इंजीनियरिंग ट्रेनिंग करेंगे।

इसके अलावा थल सेना में प्रवेश के अन्य स्कीम भी है

जैसे – टेरिटोरियल आर्मी नौकरी करने वाले के लिए पार्ट टाइम सेवा – आर्मी कैडेट कॉलेज सेवा में कार्यरत अधिकारी बनने का मौका।

आर्मी मेडिकल कोर : एमबीबीएस डिग्री धारी डॉक्टर एमएफएमसी

आर्मी डेंटल कोर्सः नीट क्वालिफाइड बीडीएसध्एमडीएस डॉक्टर

जबकि महिलाओं के लिए विशेष एंट्री एसएससी (टेक/नॉन टेक) एनसीसी, जीएजी स्कीम्स के जरिए भी प्रवेश होता है।

नौसेना में करियरः नौसेना में करियर बनाने के लिए ग्रेजुएशन के बाद– 1) 10+2 बीटेक कैडेट एंट्री, इस डायरेक्ट स्कीम में फिजिक्स केमिस्ट्री मैथ में 70 प्रतिशत व जेईई मेन में योग्य रैंक जरूरी है। कोई लिखित परीक्षा नहीं होती चयन सीधे SSB इंटरव्यूज होता है।

2) इंडियन नेवी इंटरेस्ट टेस्टः इससे पायलट लॉजिस्टिक्स एटीसी एजुकेशन ब्रांच में भर्ती होता है इसमे ऑनलाइन परीक्षा के बाद एसएसबी इंटरव्यू भी होता है।

12वीं के बादः यूपीएससी/एन सीसी एंट्री एनडीए 12वी (PCM) में पीसीएस ग्रेजुएट के चयनित इन में ट्रेनिंग लेते हैं,एनसीसी सर्टिफिकेट वाले सीधे एसएसबी इंटरव्यू देते हैं इससे नौसेना में नाविक बनते हैं। 2)अग्निवीर (SSR/MR) लिए 12वीं पास (पीसीएम,अंग्रेजी) MR के लिए दसवीं पास पात्र है। चयन ऑनलाइन परीक्षा फिजिकल टेस्ट और मेडिकल से होगा ।

वायु सेना'

ग्रेजुएशन के बादः 1) एयर फोर्स कट– इससे फ्लाइंग ग्राउंड ड्यूटी ब्रांच में भर्ती होता है। 60 प्रतिशत अंकों के साथ ग्रेजुएट बीई या बीटेक वाले छात्र इसके पात्र होते हैं।

2) **सीडीएस एनसीसी एंट्री–** सीडीएस पुरुषों का फ्लाइंग ब्रांच में प्रवेश होता है Aचयनित AFA में ट्रेड्स होते हैं। NCC एयरविंगसं 'C' सर्टिफिकेट वाले सीधे एसएसबी इंटरव्यू देते हैं।

3) शॉर्ट सर्विस फ्लाइंग ब्रांच सेवाः 14 साल तक है और ग्राउंड ड्यूटी में 10 से 14 साल तक की होती है पुरुष और महिलाएं दोनों इसके पात्र होते हैं। 12वीं के बाद प्रवेश परीक्षा के बाद एनडीए और एएफए में ट्रेनिंग होती है।

CAMBRIDGE INSTITUTE OF POLYTECHNIC

Baheya, Angara, Ranchi- 835103 (Jharkhand)
Approved By AICTE, New Delhi, Affiliated to SBTE, Ranchi & Government of Jharkhand
Contact: 0651-6560333
E-mail: cipranchi16@gmail.com, Website: www.cipranchi.ac.in

FACILITIES

- Library
- Common Room (Separate for boys & girls)
- Transport
- News Paper & Magazines
- Medical
- Game & Sports
- Cafeteria
- Wi-Fi
- Bank ATM
- Electricity
- Internet
- Pure and safe drinking Water Supply
- Hostel
- Security

Wi-fi Enabled Campus

Member of ORACLE ACADEMY

Our Vision - Quality Education

Join Cambridge Institute of Polytechnic for a Bright Future and Better Career

For Admission Enquiry Contact :

9931444441, 7282881155, 9279439460

Genius

One is not born a Genius, One become a Genius

Hi, I am Aastha Rani from Jamshedpur, Jharkhand, India currently working as an Assistant manager in ArcelorMittal Nippon Steel India Ltd. My journey started from schooling in my hometown, did matriculation from Vivek Vidyalaya, Chhota Govindpur, Jamshedpur.(2016-17)

Alongwith my schooling I took admission in Degree in fine arts from Sangit Kala Kendra, Bangiya Sangeet parishad. Due to my die heart passion for art, it always felt like icing on the cake to my academics.

During my schooling tenure:

1. I got qualified 2 times for states in "National Level Art Competition organised by DVC in the year 2013-14 & 2014-15.
2. Also I got qualified for States for Bhagwad Geeta Chanting Competition organised by Chinmaya Mission.
3. Almost I secured 100+ certificates in interschool competition for Art, poster, singing etc.

After my schooling I took admission in Government Women's Polytechnic, Jamshedpur to pursue Diploma in Electronics and Communication Engineering.(2017-20)

After which I appeared for Diploma to Degree examination in Jharkhand wherein I scored 30 CML rank. To pursue my Graduation, I took admission in Electrical Engineering branch in BIT Sindri Dhanbad.(2020-23) After completing my graduation, I got placement in AM/NS as a GET in June, 2023. Here, I got confirmed in June, 2024 & since then working as AM.

Also I have been a Gold medalist in university for both:

1. Diploma in ECE (89.75%) 2. B.tecg in EE (9.71 CGPA)

My journey was always like a rollercoaster ride, too many ups & downs. The only thing stood constant was the support of my family.

Especially my mother who never thought twice to help me out in any aspect. Our financial condition was not so appropriate even then my father was ready to support me with any stationary, guidance or classes which I required.

My elder brother who always have been my strongest cheer leader

Thankful to the Almighty, my family, my dear ones who has always supported me. But the journey is not yet completed. I want to be a civil servant & help the needy ones so they don't have to think twice before working for their dreams. The journey from one day to day one happens. It's just that how desperate are we towards our goal.

The News

शीर्ष संस्थानों में दाखिले के लिए टॉप 20 परसेंटाइल

75% अंक जरूरी है अब शीर्ष संस्थानों में एडमिशन के लिए। CBSE समेत स्टेट बोर्ड ने जारी की टॉप 20 परसेंटाइल, IIT & NIT प्रवेश में इससे फायदा होगा। आईआईटी और एनआईटी जैसे संस्थानों में दाखिले के लिए केंद्रीय और राज्य बोर्ड ने अपने–अपने टॉप– 20 परसेंटाइल अंक जारी कर दिए हैं । टॉप –20 में परसेंटाइल में आने वाले स्टूडेंट्स को आई आईटी व एनआईटी में प्रवेश के फायदा मिलता है। परसेंटाइल कट ऑफ के एनालिसिस करने पर सामने आया कि मध्य प्रदेश के टॉप –20 परसेंटाइल में 6 अंकों और राजस्थान में 4 अंको की गिरावट दर्ज की गई है। वहीं आंध्र प्रदेश के बोर्ड का टॉप– 20 परसेंटाइल इस साल सबसे अधिक रहा ।हालांकि, आंध्र प्रदेश बोर्ड की कट –ऑफ में भी पांच अंकों तक की गिरावट आई है। सीबीएसई के टॉप– 20 पररॉंटाइल की कट ऑफ इस साल 419 अंक रही, जबकि 2024 में यह 422 थी, यानी इस बार तीन अंको की गिरावट हुई है ।आईआईटी और एनआईटी एंट्रेंस में सबसे अधिक छात्र इसी बोर्ड से बैठते हैं। 1–ऐसे भी समझ सकते है बोर्ड के टॉप– 20 परसेंटाइल के गणित को । राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की 12वीं कक्षा के लगभग 5 लाख छात्रों ने हिस्सा लिया। इनमें से 1 लाख में 500 में से 436 या उससे अधिक अंक प्राप्त किए ।अब राजस्थान बोर्ड ने टॉप 20 पररॉंटाइल की सीमा 436 अंक तक की है ।इसका मतलब जिन छात्रों ने 436 या इससे अधिक अंक हासिल किए हैं वह अब बोर्ड के टॉप– 20 परसेंटाइल में शामिल माने जाएंगे। अब अगर इन छात्रों के कुल अंक 75: से कम भी है तो भी वह आईआईटी और एनआईटी में देखिले के लिए पात्र होंगे। 2–छात्रों को संबंधित बोर्ड से लेना होगा प्रमाण पत्र। नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ ओपन स्कूलिंग (छप्ै) राजस्थान ओपन स्कूल ,बिहार बोर्ड ओपन स्कूलिंग सहित कुछ अन्य बोर्डस ने अब तक टॉप –20 परसेंटाइल के अंक जारी नहीं किए हैं ।ऐसे में इन बोर्ड के छात्रों को एडमिशन के लिए अपने संबंधित बोर्ड से एक प्रमाण पत्र सर्टिफिकेट प्राप्त करना होगा ।प्रमाण पत्र के जरिए ही उनकी दाखिले की पात्रता तय होगी ।यदि छात्र यह प्रमाण पत्र प्रस्तुत नहीं करते हैं तो उन्हें जेईई में अच्छे अंकों के बावजूद एनआईटी जैसे संस्थानों में एडमिशन से वंचित होना पड़ सकता है ।

जानिए देश के प्रमुख बोर्ड के टॉप 20 परसेंटाइल कट ऑफ

राज्य 20 25 –20 24, आंध्र प्रदेश –475 –480, बिहार –345 –347, सीबीएसई –419–422, छत्तीसगढ़ –387–367, हरियाणा –415–414, मध्य प्रदेश–409–415, पंजाब–424–427, राजस्थान–436–440,

प्रवासी छात्रवृत्ति योजना

कल्याण विभाग ने मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा प्रवासी छात्रवृत्ति योजना शुरू की है ।इस योजना के अंतर्गत 25 छात्रों को ब्रिटेन में शीर्ष रैंकिंग वाले विश्वविद्यालय में स्नाकोत्तर शिक्षा प्राप्त करने के लिए वित्तीय सहायता दी जाएगी। यह सुविधा अनुसूचित, जनजाति, अनुसूचित जाति अल्पसंख्यक और पिछड़ा वर्ग को दी जाएगी। इस वर्ष के लिए आए आवेदनों की स्कूटनी जारी है। इस योजना के तहत प्रत्येक वर्ष एसटी वर्ग से अधिकतम 10, एससी से अधिकतम 5 संख्या अल्पसंख्यक से अधिकतम तीन और ओबीसी वर्ग से अधिकतम 7 छात्रों का चयन किया जाता है।

हॉस्टल के बच्चों को निशुल्क भोजन

आदिवासी कल्याण आयुक्त कार्यालय में एनजीओ के चयन के लिए एक कमेटी का गठन किया है यह कमेटी तय करेगी कि विभाग के गाइडलाइन के अनुसार कौन सा है एन जी ओ सही तरीके से काम कर सकता है। इसका उद्देश्य होगा की हॉस्टल में रह रहे बच्चों को दो समय का भोजन और एक समय का जलपान उपलब्ध कराई जा सके। झारखंड के 506 आदिवासी हॉस्टलों में लगभग 28000 बच्चों को कल्याण विभाग निशुल्क भोजन देने की तैयारी में लग चुका है इसके लिए 225 स्वयं समूह ने टेंडर में दिलचस्प दिखाई है। इन छात्रों में लाइब्रेरी की भी व्यवस्था की जाएगी ।ढकल्याण विभाग अनुसूचित बच्चों के डॉक्टर इंजीनियर बनने का सपना पूरा करने के लिए एजेंसी के चयन के लिए टेंडर निकाल चुका है। अगस्त के दूसरे सप्ताह में टेंडर खुलेगा । इसके अंतर्गत 300 एसटी बच्चे हिंदीपीढी में निशुल्क कोचिंग कर सकेंगे। विभागीय मंत्री चमड़ा लिण्डा ने कहा कि उनका उद्देश्य है कि कोई भी प्रतिभाशाली आदिवासी बच्चा संसाधनों की कमी की वजह से पीछे ना रहे। चयन किए गए 300 एसटी बच्चों को हिंदपीढ़ी में जेईई और नीट की कोचिंग दी जाएगी। इस कोचिंग से उन एसटी छात्रों को लाभ मिलेगा जो झारखंड से हैं और जो दसवीं की बोर्ड परीक्षा जैक सीबीएसई या आईसीएससी से पास कर चुके हैं । जो बच्चे 11वीं 12वीं में पढ़ाई के साथ–साथ के नित भगवान ने प्रतियोगिताओं की तैयारी करना चाहते हैं है उन्हें पूरी मदद की जाएगी चयनित छात्रों को किताबें और नोटिस भी मिलेंगे जिसमें एक्सपर्ट टीचर पढ़ाई में भी मदद करेंगे प्रतियोगिता परीक्षा के लिए मॉक टेस्ट और रेगुलर प्रैक्टिस किया है। लगातार जांच होती रहेगी।

COLLEGE *Campus Interview*

Gossner College Ranchi

Anjali Banaik, a student of Gossner College Ranchi, aspires to become a teacher. She enjoys studying History and loves playing games in her free time. Pure is her favorite food, and she looks up to Balveen Kerketa as her favorite teacher.

Puja Kumari, studies at Gossner College Ranchi & dreams of becoming a professor. She finds English most interesting and spends her leisure time reading books. Her favorite food is khichdi, and she deeply admires Neelima Ma'am as her favorite teacher.

Akanksha Kumari, studies at Gossner College & aspires to be a lecturer. Her favorite subject is History, and she enjoys reading in her leisure time. She loves biryani chicken and considers Neelima Ma'am as her favorite teacher.

Sweety Ekka, a student of Gossner College Ranchi, aims to become an archaeologist. She loves eating aloo paratha and enjoys sketching in her spare time. History is her favorite subject, and Seema Ma'am, her HOD, is the teacher she admires the most.

Neha Kumari, from GOSSNER College, aims to become a teacher. She finds History most interesting & enjoys dancing as her hobby. Tandoori chicken is her favorite food, & she respects Seema Ma'am as her favorite teacher.

Naveen Lakra, from Gossner College Ranchi, dreams of becoming a trader. He enjoys studying History and loves butter naan with coffee. Drawing is his favorite hobby, and he holds great respect for his teacher, Seenua Ma'am.

Reshma Munda, a student of Gossner College, wishes to become a teacher. She enjoys studying History and loves dancing in her spare time. Daal Chawal is her favorite food, & she admires Beelven Keriketa as her favorite teacher.

BENEFITS OF SOLAR SYSTEM

Solar energy is clean & green energy | Not dependent on other sources of Energy
Non-maintenance | Safer than Other | Renewable Energy | Electricity Bill Reduction
Maximum Usage | Technology Development

MAHADEV ENTERPRISES

Address: Chitragupt Colony, Indrapuri, Road No. 01
Ratu Road, Ranchi - 834005

CMA Course – An Introduction

It was during the early years of World War II, that the concept of cost as an independent entity made its beginning in the industrial circles of the world. Due to the prohibitive cost of defence operations, the then governments at war found it difficult to ascertain the price of defence purchases and thus evolved the concept of cost + contracts. This forced the contractors to submit the cost of the work to be undertaken by them, in order to be awarded the contract.

1945 brought the end of the war, and the nations ravaged by the effects of war began large-scale reconstruction of their economies through industrialisation. The end of colonialism meant that many nations gained their independence, and this process increased rapidly. The late forties and fifties can really be termed the golden era of industrialisation. The importance of cost accounting as being central to the formation of government policies provided the foundation of the rapid growth of the profession. What began as a mere exercise in estimating the cost later developed into a movement for efficiency and optimum utilisation of scarce resources.

The Institute of Cost Accountants of India (erstwhile The Institute of Cost and Works Accountants of India) was first established in 1944 as a registered company under the Companies Act with the objects of promoting, regulating and developing the profession of Cost Accountancy.

On 28th May, 1959, the Institute was established by a special act of Parliament, namely, the Cost and Works Accountants Act, 1959 as a statutory professional body for the regulation of the profession of cost and management accountancy.

It has since been continuously contributing to the growth of the industrial and economic climate of the country.

The Institute of Cost Accountants of India is the only recognised statutory professional organisation and licensing body in India specialising exclusively in Cost and Management Accountancy.

A Cost Accountant (CMA) is a person who offers to perform or perform services involving the costing or pricing of goods and services or the preparation, verification or certification of cost accounting and related statements.

The head office is situated at 3, Institutional Area Lodhi Road, New Delhi - 110003 and operates through four regional councils are Kolkata, Chennai, Delhi and Mumbai as well as through a number of important chapters situated elsewhere in India and abroad.

CMA Course Curriculum is designed to nurture young business leaders of tomorrow who can convert the dream of 'MAKE IN INDIA' into reality by taking strategic management decisions effectively in both the National and International arena.

The Course Curriculum is based on International Standards set by IFAC (International Federation of Accountants) and IAESB (International Accounting Education Standards Board) and Initial Professional Development - Professional Skills (Revised) through IEG (International Educational Guidelines).

Course Eligibility:

FOUNDATION COURSE

- A candidate should have passed Class 10 or equivalent from a recognized Board or Institution; Or,
- Passed the Senior Secondary School Examination under the 10+2 scheme of a recognized Board or an Examination recognized by the Central Government as equivalent thereto or has passed the National Diploma in Commerce Examination held by the All-India Council for Technical Education or any State Board of Technical Education under the authority of the said All India Council, or the Diploma in Rural Service Examination conducted by the National Council of Rural Higher Education.
- Any Candidate who has passed the Foundation examination conducted by the Institute of Company Secretaries of India will be exempted from Foundation Course & vice versa; Or,
- Any Candidate who has passed the Intermediate Examination (by whatever name called) conducted by the Institute of Chartered Accountants of India will be exempted from Foundation Course. Similarly, any candidate who has passed the Intermediate examination will be exempted from Common Proficiency Test (i.e. entry level examination, by whatever name called) conducted by the Institute of Chartered Accountants of India.
- Candidates who have passed the qualifying examination for direct admission to Intermediate Course are exempted from Foundation Course.
- Provisional Admission: Students may also seek provisional admission to the foundation course. Such students would be provided a time period of 36 (thirty-six) months to convert from Provisional to Regular Status.

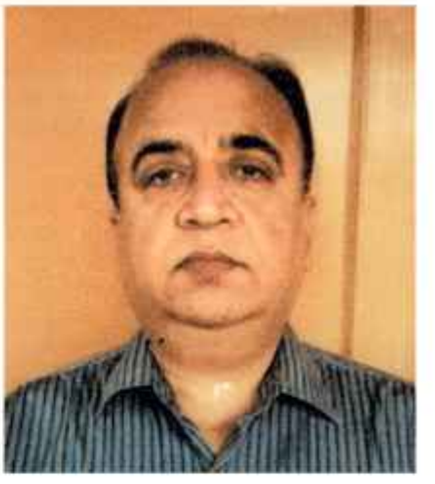

INTERMEDIATE COURSE

- Passed Senior Secondary School Examination / Higher Secondary Examination (10+2) and Foundation Course of the Institute of Cost Accountants of India or qualified the Foundation (Entry Level) Part I Examination of Certificate in Accounting Technicians (CAT) Course of the Institute of Cost Accountants of India or Degree examination of any recognized University or Pursuing Engineering Course (having completed 2nd year/ Semester IV/ equivalent) or Qualified Engineers or equivalent in any subject other than music, dancing, photography, painting & sculpture and the likes.
- Provisional Registration: Candidates awaiting results of degree examinations may also apply for provisional admission. Such students would be provided a time period of 18 (eighteen) months to convert from Provisional to Regular Status.

FINAL COURSE

- Intermediate course passed candidates will take admission into final course and after passing the examination he will become a Cost Accountant (CMA).

Total estimated fee is around Rs.75000.00

Interest candidates may contact – The Institute Of Cost Accountants Of India

Headquarters:
CMA Bhawan
3, Institutional Area Lodhi Road, New Delhi - 110003
Phones: +91 011-24622156/157

Kolkata Office:
CMA Bhawan
12, Sudder Street, Kolkata - 700016
Website: www.icmai.in

For Student's enquiries:
+91 33-4036-4735

For Member's and Other enquiries:
+91 33-4036-4743

संतोष कुमार गंगवार
राज्यपाल, झारखण्ड

झारखण्ड सरकार
GOVERNMENT OF JHARKHAND

हेमन्त सोरेन
मुख्यमंत्री, झारखण्ड

समस्त झारखण्डवासियों को

स्वतंत्रता दिवस

की हार्दिक शुभकामनाएं एवं जोहार

स्वतंत्र भारत अपनी स्वतंत्रता के 79 वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है।
हमें यह सुखद अवसर प्रदान करने वाले समस्त स्वतंत्रता सेनानियों को
हमारा शत्-शत् नमन।

स्वतंत्रता आंदोलन में झारखण्डवासियों के अतुलनीय संघर्ष व बलिदान की
गौरवगाथा को भी भुलाया नहीं जा सकता। उन्हें भी हमारा नमन।

jhargov.tv
पर स्वतंत्रता दिवस समारोह का सीधा प्रसारण
एवं अन्य चैनलों पर देखा जा सकता है

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, झारखण्ड सरकार

Inviting Brilliant Students to be part of YBN University Family

YBN UNIVERSITY
RANCHI, JHARKHAND

Established by the Act of Government of Jharkhand Act 15, 2017
Gazette Notification No. 505, Dated 17th July 2017
As per Section 2(f) of UGC Act, 1956

YBN University is spread across a modern 100 Acre urban campus, it boasts extensive infrastructure with Hi-Tech Labs, Hostels and a strong emphasis on research, placements and co-curricular development.

UG/PG DEGREE IN:

- Agricultural Science
- Legal Studies
- Commerce and Management
- Science
- Arts & Humanities
- Music & Performing Arts
- Mass Communicaiton & Filmmaking
- Engineering Courses
- Medical Allied UG & PG Courses
- Medical Courses

YBN University Rajaulatu, Power Grid Road Rajaulatu, Namkum, Ranchi, Jharkhand - 834010

✆ 970 95 00400, 7061261557

Email: ybnuniversity2017@gmail.com, helpdesk@ybnu.ac.in | https://www.ybnu.ac.in